वीडियो विलेन

RAJ COMICS राज कॉमिक्स BY MANOJ GUPTA

सुपरकमांडो ध्रुव

PRATAP MULICK

सुपर कमांडो ध्रुव

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा

संपादन : मनीष चंद्र गुप्त

इस संसार के सारे जानवरों में, अगर सबसे ज्यादा *हिंसक* कोई जीव है, तो वह है- *मानव*!

सदियों से लड़ी जा रही *खूनी लड़ाइयां*, रोमन स्टेडियमों में खूंखार पशुओं से निहत्थे मनुष्यों का युद्ध, और आजकल की *फिल्में* और किताबों में लगातार बढ़ रही हिंसा, इस बात को सही साबित करते हैं।

और प्रगति के साथ-साथ इस *हिंसा* के भी नए-नए तरीके ईजाद हो गए हैं।

LIVE

...और अब हमारे *स्पेशल* केबिल दर्शकों के लिए एक बहुत ही खास सूचना!

आज की रात, हम पेश कर रहे हैं; *वीडियो* की दुनिया का सबसे महान शो।...

सुपर कमांडो ध्रुव की मौत का सजीव प्रसारण।

राजनगर की सड़कों पर रात को घूमने वाले सिर्फ गुंडे-बदमाश ही नहीं, बल्कि शरीफ लोग भी होते हैं।
इनमें से कुछ अपना मनोरंजन करके वापस लौट रहे होते हैं...
...और कुछ अपना काम खत्म करके...

...जैसे मिडिलवेट बॉक्सिंग चैंपियन-टोनी ब्रगेंजा।
ओफ्! जिम्नेज़ियम में मुक्केबाजी की प्रैक्टिस करते-करते समय का ध्यान ही नहीं रहा।

और कल सुबह मुझको अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग कंपीटीशन में भाग लेने के लिए सिंगापुर भी जाना... अरे!
यह बैरियर एकाएक कहां से आ गया?
ठहरिए!
चींईईईईईई
टोनी के पैर पूरी ताकत के साथ ब्रेक पर दब गए।

लेकिन फिर भी कार, बैरियर से टकराने से बच न सकी।
बैरियर मजबूत नहीं था।
कार की एक ही टक्कर ने, उसके टुकड़े कर दिए।
कड़ाक

लेकिन साथ ही साथ, कार भी असंतुलित होकर, बगल की दीवार से जा टकराई।
धमाक

लेकिन इस समय तक कार की गति काफी कम हो गई थी। इसलिए टोनी को कोई चोट नहीं पहुंची।
यह किस कमीने की हरकत है? अगर वह सामने दिख जाए, तो साले की गर्दन मरोड़ दूं।
पर टोनी को जानबूझ कर रोका गया था।
पलक झपकते ही, अंधेरे से निकलकर कई नकाबपोशों ने उसको घेर लिया।
?
और बगैर किसी चेतावनी के एक घूंसा उसके जबड़े से आ टकराया।
टिशूं
और उसके सात प्रतिद्वंद्वियों को, बॉक्सिंग रिंग से स्ट्रेचर पर ले जाया गया था।
खड़ाक्
परंतु नकाबपोशों ने गलत शिकार को चुन लिया था।
टोनी ने अपने पंद्रह मुकाबलों में अब तक कोई भी मुकाबला नहीं हारा था।
ताड़.
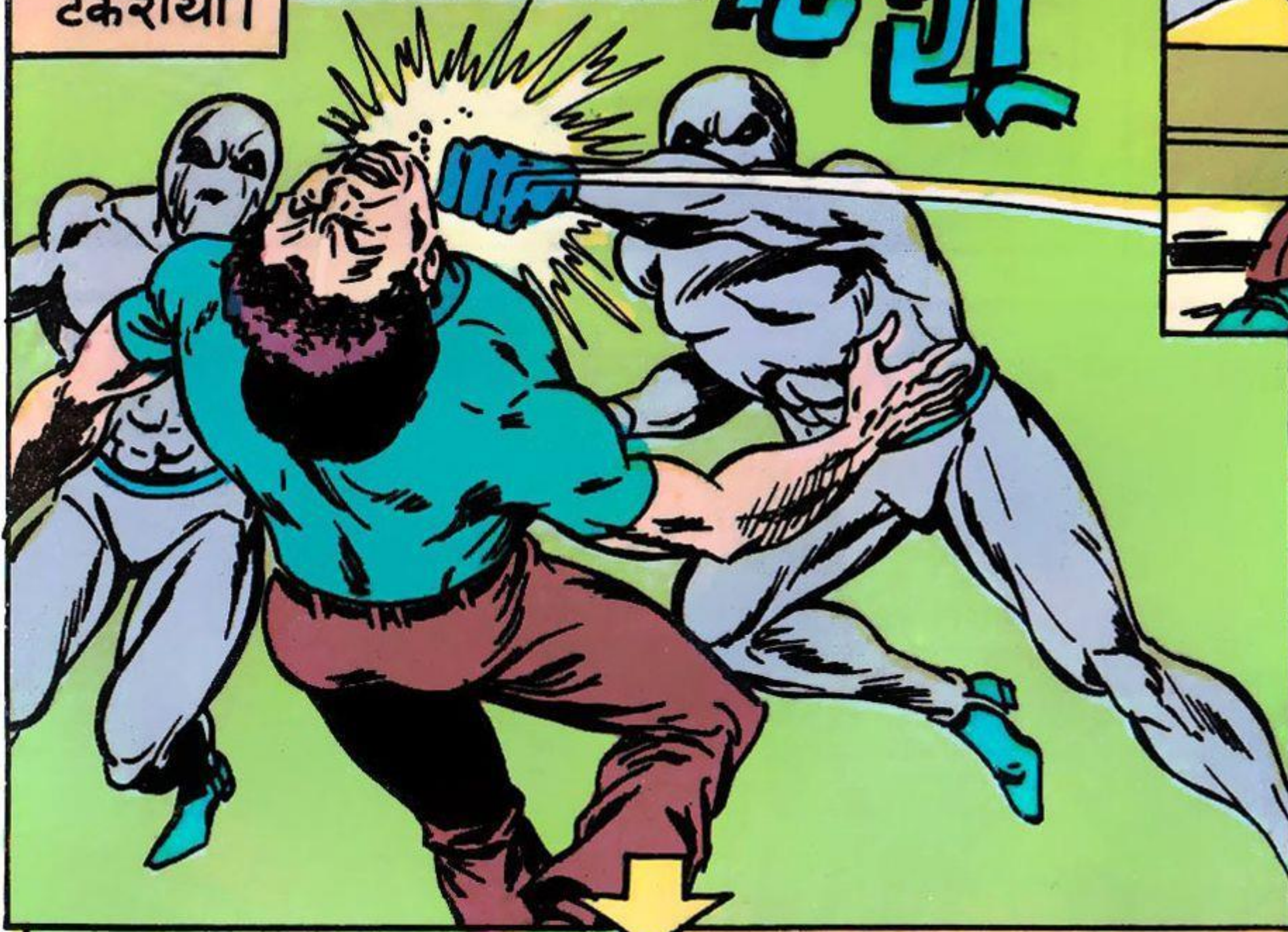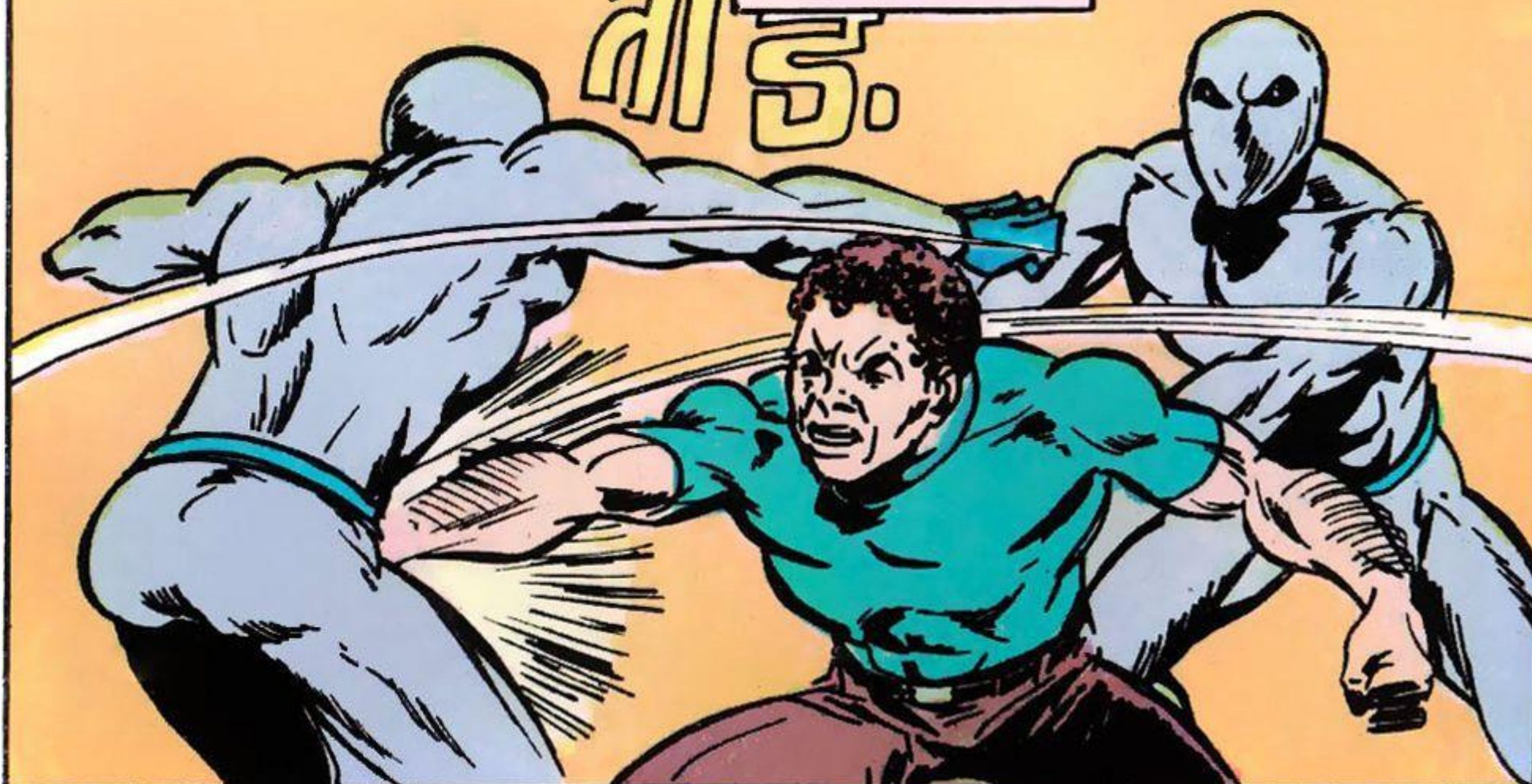
लेकिन हमलावरों की संख्या बहुत ज्यादा थी...
तड़
भाड़

...और उनके वार बड़े बेरहम।
पर यह सारा दृश्य अनदेखा नहीं जा रहा था।
खट
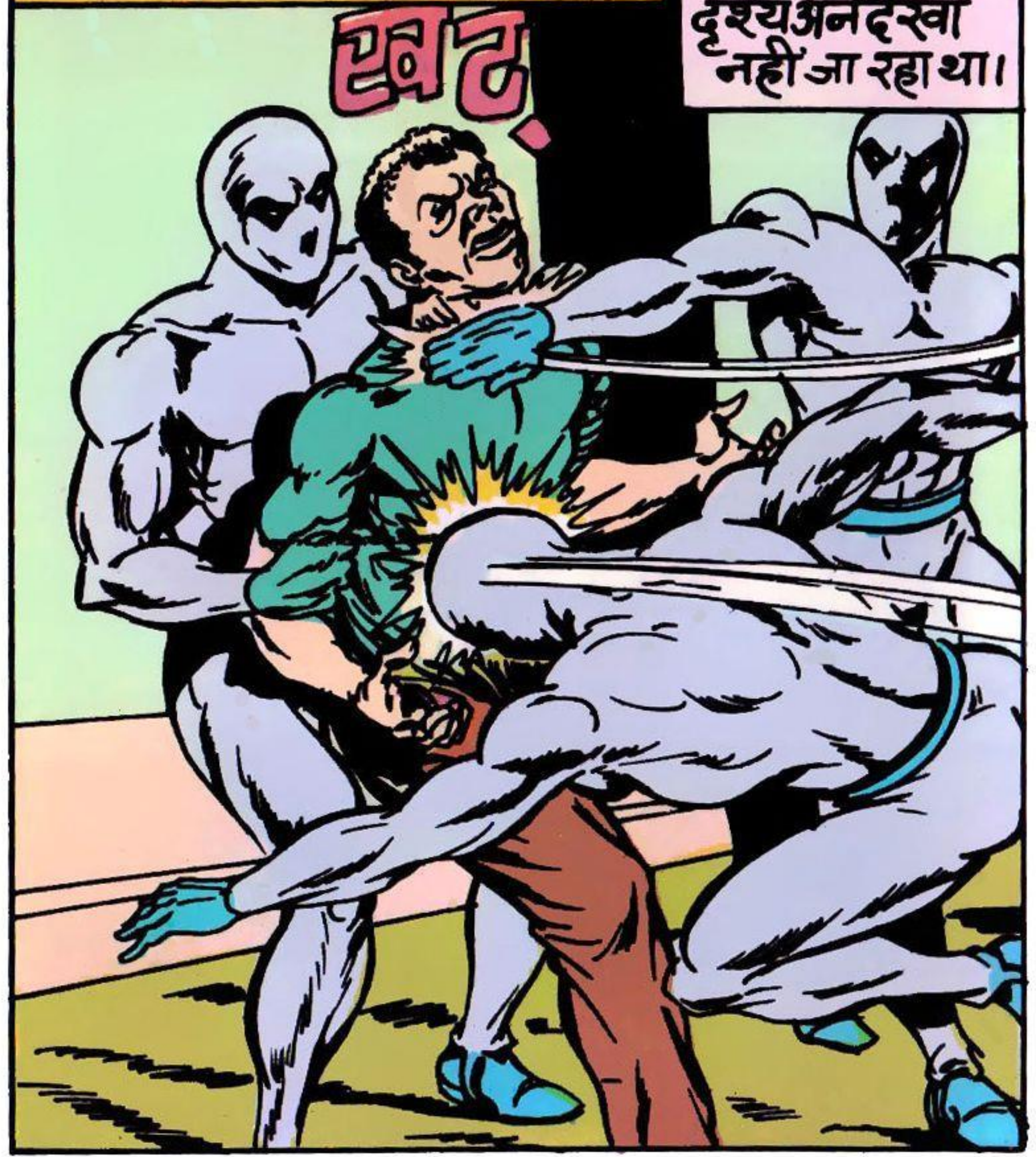
इस पूरे घटनाक्रम की बकायदा शूटिंग की जा रही थी।
फर्क सिर्फ इतना था...
टर्रर्रर्र
तड़ाक

...कि यह पिटाई बनावटी न होकर असली थी।
तड़ाक
फर्स्ट क्लास सीन आ रहा है, कोका!
अब इसको दुहरा करना है।

इसकी टांगों के बीच में घुटना मारो।
आई!
ठक
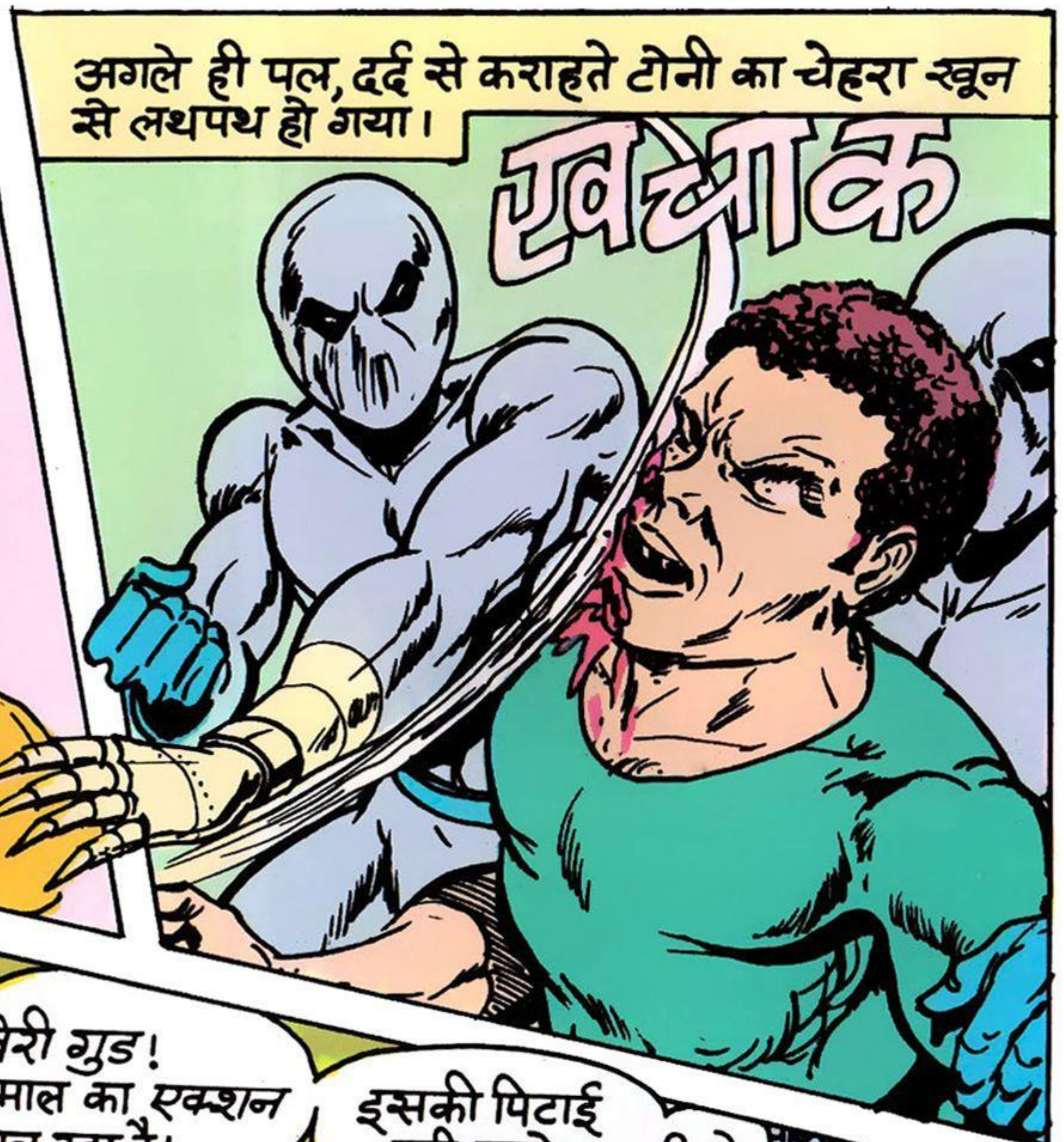
खून निकालो!
बगैर खून के तो सारा मजा खराब हो जाएगा।
अगले ही पल, दर्द से कराहते टोनी का चेहरा खून से लथपथ हो गया।
खच्चाक
एक नकाबपोश ने टोनी का हाथ पकड़ा।
और फिर उसको तेजी से उमेठ दिया।
हड्डी टूटने की आवाज, रात के सन्नाटे में पलभर के लिए साफ सुनाई पड़ी।
ईयाआ
कड़ाक
और फिर-टोनी के गले से उबली चीख में, वह आवाज गुम हो गई।
वेरी गुड! कमाल का एक्शन चल रहा है।
इसकी पिटाई जारी रखो। अभी दो मिनट की कैसेट बची है।
उसमें मैं तुम्हारी हड्डी तोड़ने का सीन उतारूंगा।
ध्रु... ध्रुव!!
तुम यहां कैसे...?
रात के अंधेरे में, हर चीख ध्रुव के कानों से गुजर कर ही आगे जाती है।
अब मुझे बताओ कि यहां पर क्या हो रहा था?

एक्स्ट्रा!
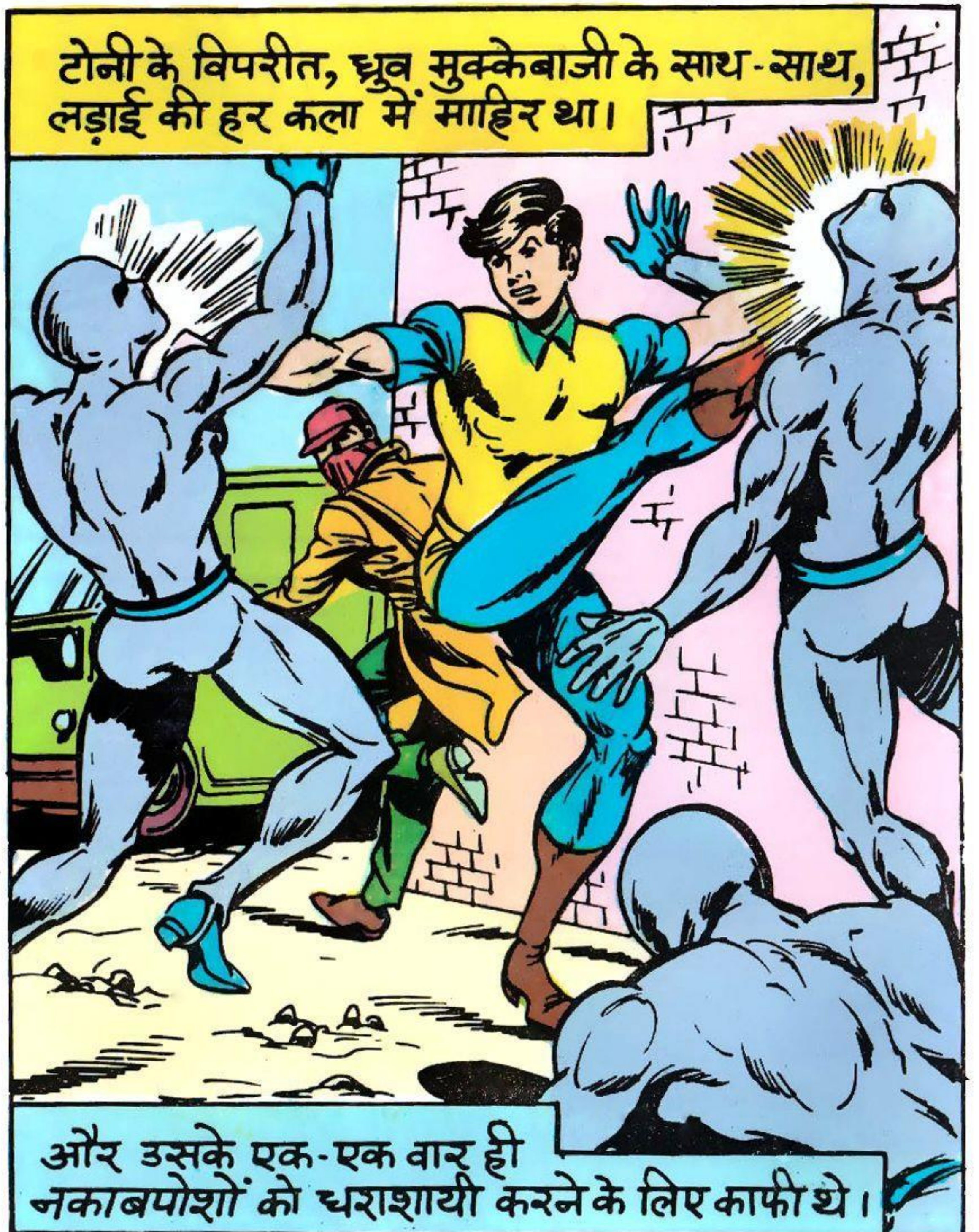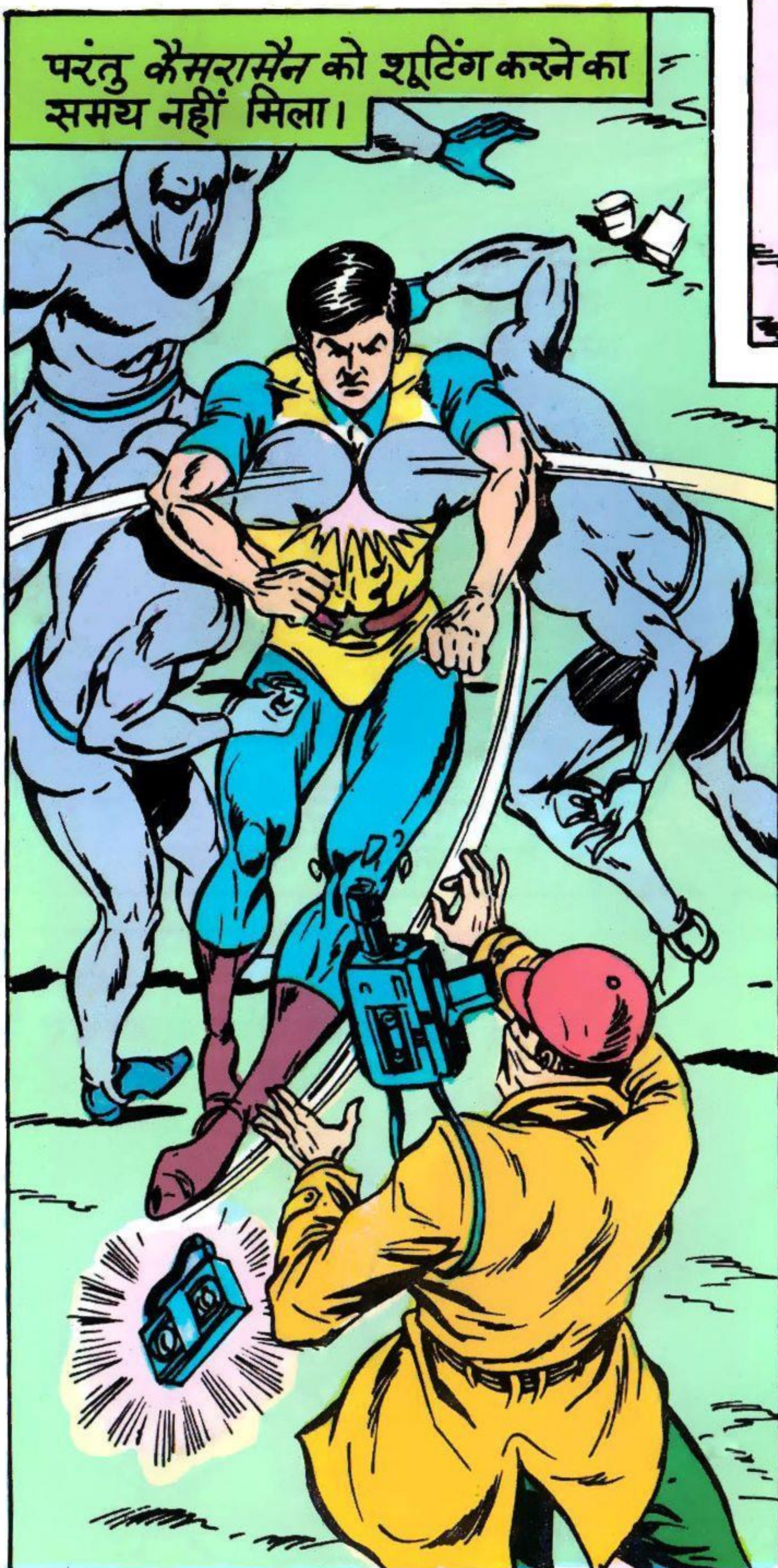
अगले ही पल - ध्रुव की तरफ कई नकाबपोश एकसाथ लपके -
- और एक्शन शुरू हो गया।
दो मिनट की कैसेट अभी बाकी थी।

परंतु कैमरामैन को शूटिंग करने का समय नहीं मिला।

टोनी के विपरीत, ध्रुव मुक्केबाजी के साथ-साथ, लड़ाई की हर कला में माहिर था।
और उसके एक-एक वार ही नकाबपोशों को धराशायी करने के लिए काफी थे।

वैन की घरघराहट सुनकर, ध्रुव को खतरे का आभास तो जरूर हुआ।

ढिशूं

लेकिन बचने का समय, उसको नहीं मिल पाया।

एक भयंकर टक्कर से, ध्रुव का बदन हवा में उछल गया।

जमीन पर गिरने से पहले ही, ध्रुव के दिमाग पर अंधेरा छाना शुरू हो चुका था।

ध्रुव को संभलने में एक मिनट से ज्यादा का समय नहीं लगा।
परंतु इतने समय में सारे नकाबपोश वैन में बैठकर भाग चुके थे।

ये भाग रहे हैं। पर कहां तक भागेंगे?
मैं अभी मोटरसाइकल से इनका पीछा...!
आह!
तभी एक कराह ने ध्रुव का ध्यान खींच लिया।
ओह! मुझे पहले इस घायल को अस्पताल पहुंचाना होगा!
अब मैं नकाबपोशों का पीछा नहीं कर सकता।
ध्रुव, घायल टोनी की तरफ बढ़ा–

और उसका पैर, जमीन पर पड़े, एक चौकोर डिब्बे से जा टकराया।
ठक

अरे! यह तो वीडियो कैसेट है!!
यह कैसेट, जरूर उस कैमरे से ही गिरी होगी!

यह सबूत, किस्मत से मेरे हाथ लग गया है!
अब यह ही मुझे उन कमीनों तक पहुंचाएगा!
गुंडों की टोली, इस बात से बेखबर थी।
गुड इवनिंग, डायरेक्टर!

वेलकम, कैमरामैन रघु! आज कुछ गड़बड़ तो नहीं हुई?
थोड़ी सी, बॉस!
आज हमारा सामना ध्रुव से हो गया।
सुपर कमांडो ध्रुव से? यानि तुम शूटिंग नही कर पाए?

रघु कभी कच्चा काम नहीं करता, डायरेक्टर! उस बॉक्सर की तो ऐसी पिटाई की है, जिसे देख कर हमारे स्पेशल दर्शक झूम उठेंगे!
ऐसा क्या?
तो ला! जल्दी से कैसेट ला।
ब्राडकास्टिंग का समय भी होने वाला है।

ये रही वह धमाकेदार कैसेट... अरे!
क्या हुआ?
कै...कैसेट, कैमरे में नहीं है। लगता है कि ध्रुव से लड़ते वक्त, कैसेट बाहर गिर पड़ी है।

मूर्ख!
आंखें खोलकर काम नहीं करते हो क्या?
वह कैसेट जरूर ध्रुव के हाथों लग गई होगी! उस कैसेट के जरिए, वह मुझ तक भी पहुंच सकता है।

खैर, यह तो बाद की बात है। इस वक्त तो सवाल यह है, कि आखिर आज रात हम अपने दर्शकों को क्या दिखाएंगे?
म...मैं अभी उस कैसेट को वापस मंगाने का इंतजाम करता हूं।
करो!
वर्ना आज हमारे दर्शक टोनी ब्रगेंजा के बजाय तुम्हारी पिटाई देखेंगे।

इसी वक्त- एस॰पी॰ सिटी के बंगले पर-
Acip
क्लिक
अजीब चक्कर है, ध्रुव! यह इस तरह का नवां केस है। हर केस में नकाबपोशों ने, एक आदमी को बुरी तरह से मारा-पीटा है। पर लूटा नहीं है।
यह तो मुझे आज पता चल रहा है कि इस घटनाक्रम की वीडियो फोटोग्राफी होती है! पर क्यों?
यह तो मुझे भी नहीं पता, एस॰पी॰ साहब! इस सारे नाटक को यहीं पर रोकना होगा। वर्ना इस शहर में शरीफों का बाहर निकलना मुश्किल हो जाएगा।
इस कैसेट को हम फिर से देखते हैं। शायद इससे कोई सूत्र...।
उसका समय नहीं है, प्यारे! क्योंकि हम नई कैसेट सिर्फ चार घंटे के लिए ही देते हैं। अब मैं कैसेट वापस लेने आया हूं।
कौन हो तुम? यहां अंदर तक कैसे आ गए? सिपाहियों ने तुमको रोका क्यों नहीं?
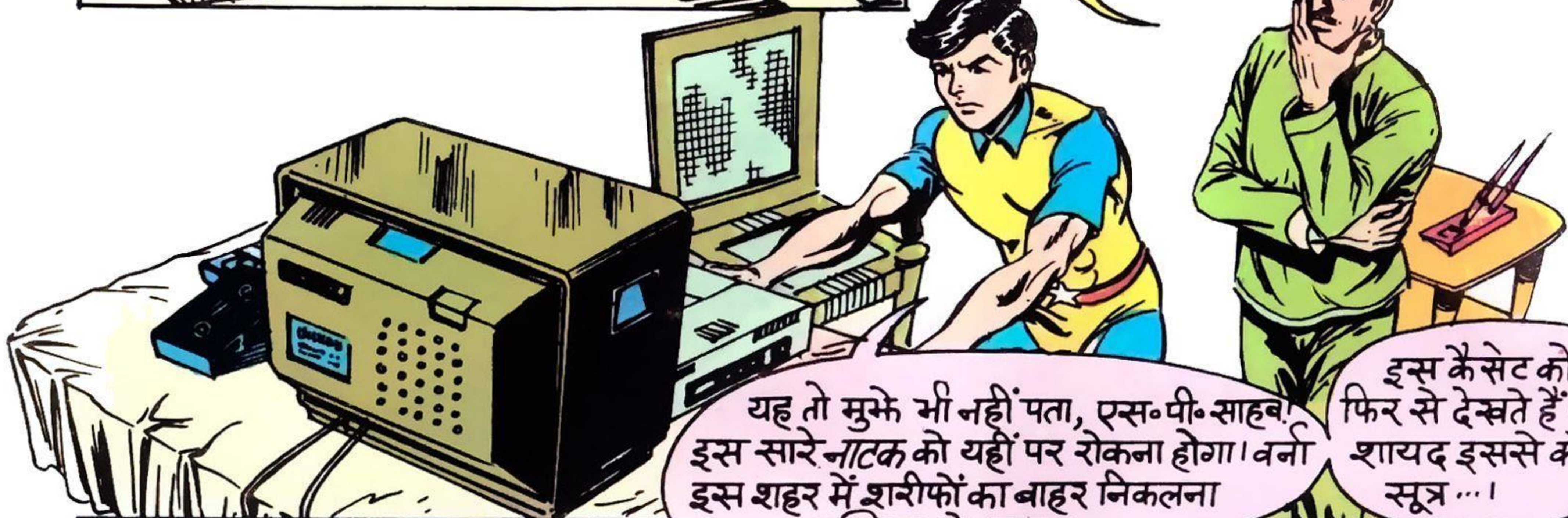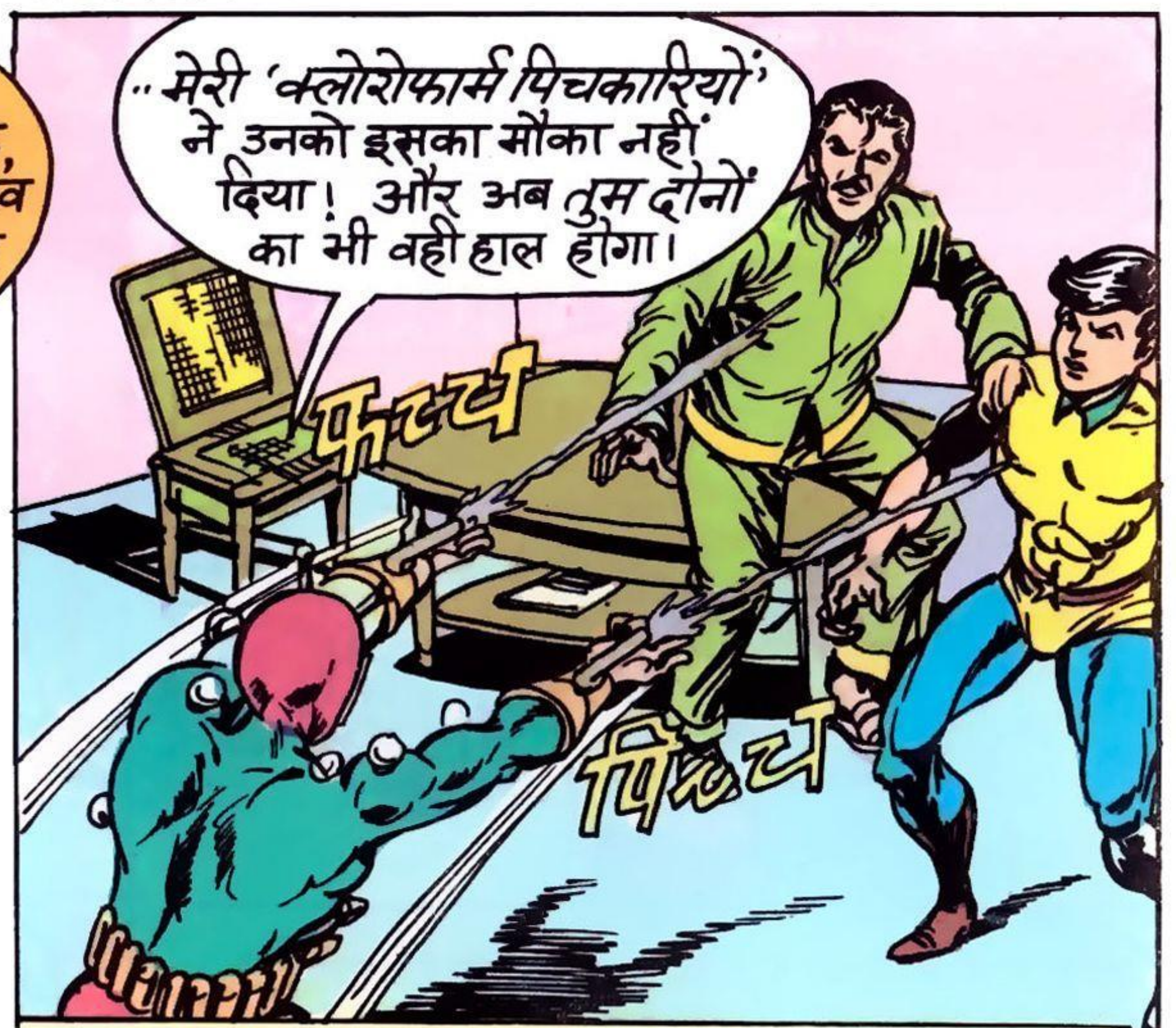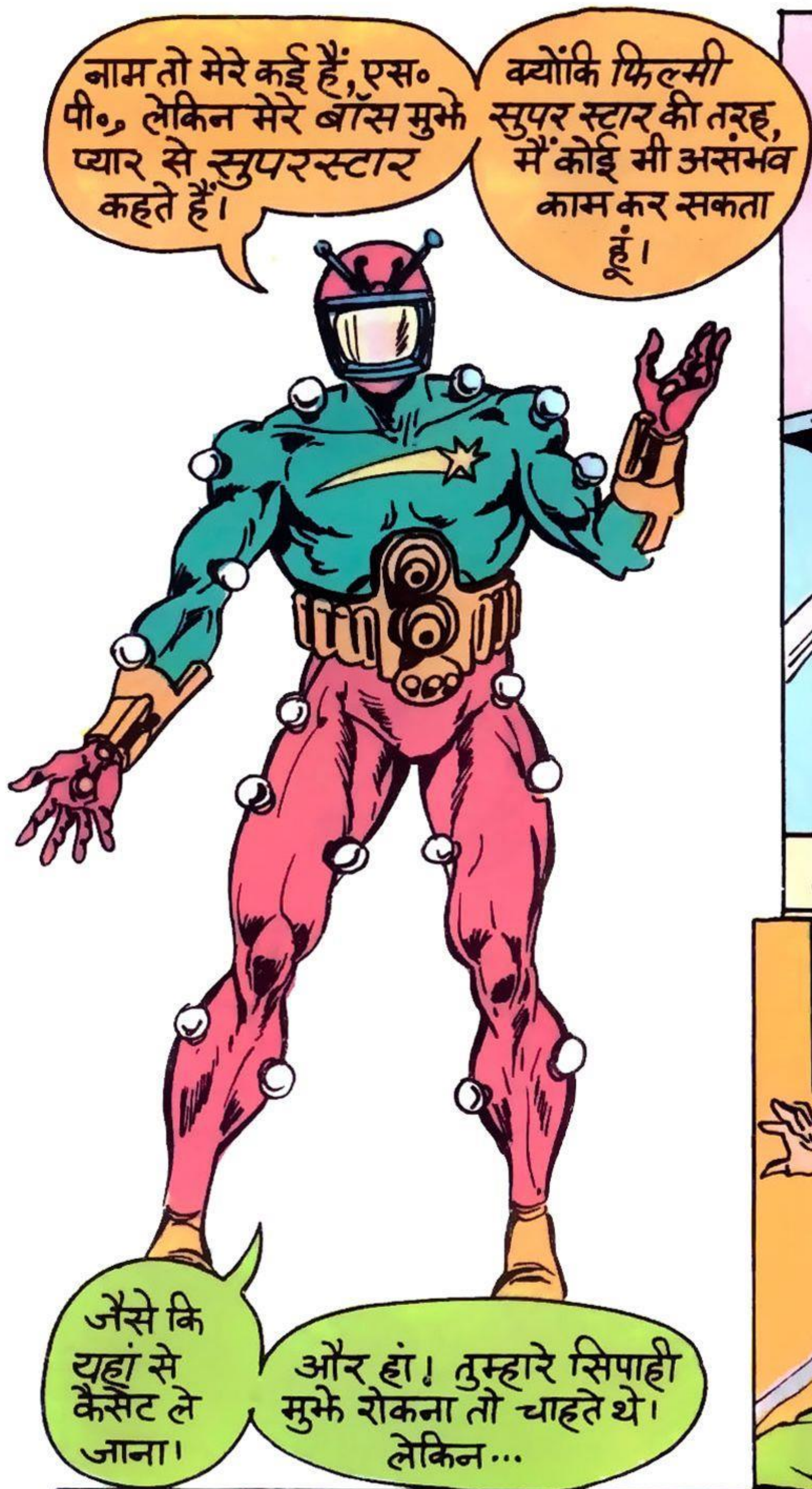
नाम तो मेरे कई हैं, एस० पी०, लेकिन मेरे बॉस मुझे प्यार से सुपरस्टार कहते हैं।
क्योंकि फिल्मी सुपर स्टार की तरह, मैं कोई भी असंभव काम कर सकता हूं।
जैसे कि यहां से कैसेट ले जाना।
और हां! तुम्हारे सिपाही मुझे रोकना तो चाहते थे। लेकिन...
"मेरी 'क्लोरोफार्म पिचकारियों' ने उनको इसका मौका नहीं दिया! और अब तुम दोनों का भी वही हाल होगा।
फच्च
पिच्च
दो तेज धारें, ध्रुव और एस० पी० साहब की तरफ लपकीं।
ध्रुव, फुर्ती के साथ, घातक धार के रास्ते से अलग हट गया।
पर एस० पी० साहब, ध्रुव जैसे फुर्तीले नहीं थे।
यह पूरी तैयारी के साथ आया है। इसको जल्दी ठिकाने लगाना पड़ेगा।
वर्ना मेरा भी एस० पी० साहब जैसा हाल होगा। और यह कैसेट ले जाने में कामयाब हो जाएगा।
ध्रुव ने लपककर, दो पेन, टेबल से उठा लिए।
अगले ही पल-ध्रुव का हाथ घूमा।
और पेनों ने, गैस की नलियों में फंसकर, नलियों को जाम कर दिया।
पॉप
फ्लॉप

तुमने मेरा अभी सिर्फ एक अस्त्र बेकार किया है, कमांडो!
लेकिन तुम तो जानते ही होगे, कि सुपरस्टार कभी नहीं हारता! क्योंकि उसके पास बहुत सारे 'स्पेशल इफेक्ट्स' होते हैं।
जैसे 'जाले लगाने वाली मशीन'!
फिल्मों के खंडहर वाले सेटों पर, जाले इसी मशीन से लगाए जाते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यह मशीन प्लास्टिक फाइबर का जाल छोड़ती है।...
और इस जाले को कोई भी तोड़ नहीं सकता है!
तोड़ना तो बाद की बात है, सुपरस्टार! पहले मुझे इस जाल में कैद करके तो दिखाओ!
यह ठीक कह रहा है।
मेरे सारे वारों को, यह उछल-उछल कर बेकार कर दे रहा है।
इसलिए पहले मुझे ऐसा इंतजाम करना पड़ेगा, कि यह मेरे वारों को देख ही न सके।
और यह काम करेंगे, मेरे शरीर पर लगे, तेज रोशनी के बल्ब! जिनका इस्तेमाल शूटिंग के लिए किया जाता है।
ओह! इतनी तेज रोशनी!
मेरी आंखें चुंधिया रही हैं।

ध्रुव को कुछ पलों के लिए दिखाई देना बंद हो गया।
और सुपरस्टार ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया।
मैंने कहा था न, ध्रुव, कि सुपरस्टार से कोई टक्कर नहीं ले सकता!
और अब तुम मुझे यह कैसेट ले जाने से नहीं रोक सकते!
तुमने मेरे हाथों को तो जरूर बांध दिया है, सुपरस्टार!...
..लेकिन मेरे पैर अभी आजाद हैं।
तड़
तो अब मैं तुम्हारे पैरों को भी बांध देता हूं।
ध्रुव पर एक ही ट्रिक बार-बार नहीं चलती।
और न ही ध्रुव अपने दुश्मन को दूसरा मौका देता है।
तड़ाक

तुम में अभी भी बहुत जान बाकी है।
यानि अब मुझे 'स्मोक मशीन' का इस्तेमाल करना ही पड़ेगा।
एक हल्की सी घरघराहट के साथ गाढ़ा धुआं तेजी से कमरे में भरना शुरू हो गया।
घर्रर्र र्रर्र
ध्रुव तेजी से वी॰ सी॰ आर॰ की तरफ लपका।

लेकिन धुएं ने पलक झपकते पूरे कमरे को अपने अंदर समेट लिया। ध्रुव यह नहीं देख पाया कि सुपरस्टार कहां गया!
पर सुपरस्टार भी यह नहीं जान पाया, कि इस दौरान ध्रुव ने क्या कर दिया।

कुछ ही पलों बाद- ध्रुव तेजी से धुएं भरे कमरे से बाहर निकला।
सुपरस्टार भी अब आता ही होगा।
मेरे पास कुछ ही पलों का समय है ...
...और इसी में मुझे इस जाल से आजाद होना है।

इस फाइबर के जाले को तोड़ा तो नहीं जा सकता। पर काटा तो जा ही सकता है।
रायफल की इस संगीन से।
ध्रुव ने जाले को संगीन पर रगड़ना शुरू कर दिया।
खर्र्च खर्र्च

संगीन की तेज धार ने देखते ही देखते जाले के टुकड़े कर दिए।
खच

और बाहर निकल रहा सुपरस्टार, सीधे ध्रुव के घूंसे से जा टकराया।
धड़ाक

पर अगले ही क्षण - एक धमाके ने ध्रुव को, सुपरस्टार से अलग हट जाने को मजबूर कर दिया।
धाय
उस वैन से कोई गोलियां चला रहा है।..
..पर यह तो वही वैन है, जिसने मुझे टक्कर मारी थी।
और सुपरस्टार भी भागकर इसी वैन में चढ़ रहा है।
तड़ाक
यानि यही वैन मेरी मंजिल है!
ध्रुव वैन की तरफ लपका -
पर इतनी देर में वैन स्टार्ट होकर आगे बढ़ चुकी थी।
ध्रुव, सिर्फ 'मिरर' में ड्राइवर की एक झलक देख सका।
एक घंटे बाद - किसी गुप्त स्थान पर -
य... यस, जोरावर जी!
आज..आज हम कुछ कारणों से अपना नया कैसेट नहीं दिखा पाए।
और फिर वैन, धूल का गुबार उड़ाती हुई, नजरों से ओझल हो गई।
जी..जी! आई एम वेरी सॉरी! आप इसके पैसे काट लीजिएगा।
इस गलती के बदले में हम कल रात आपको एक स्पेशल शो दिखाएंगे ..हां जी!
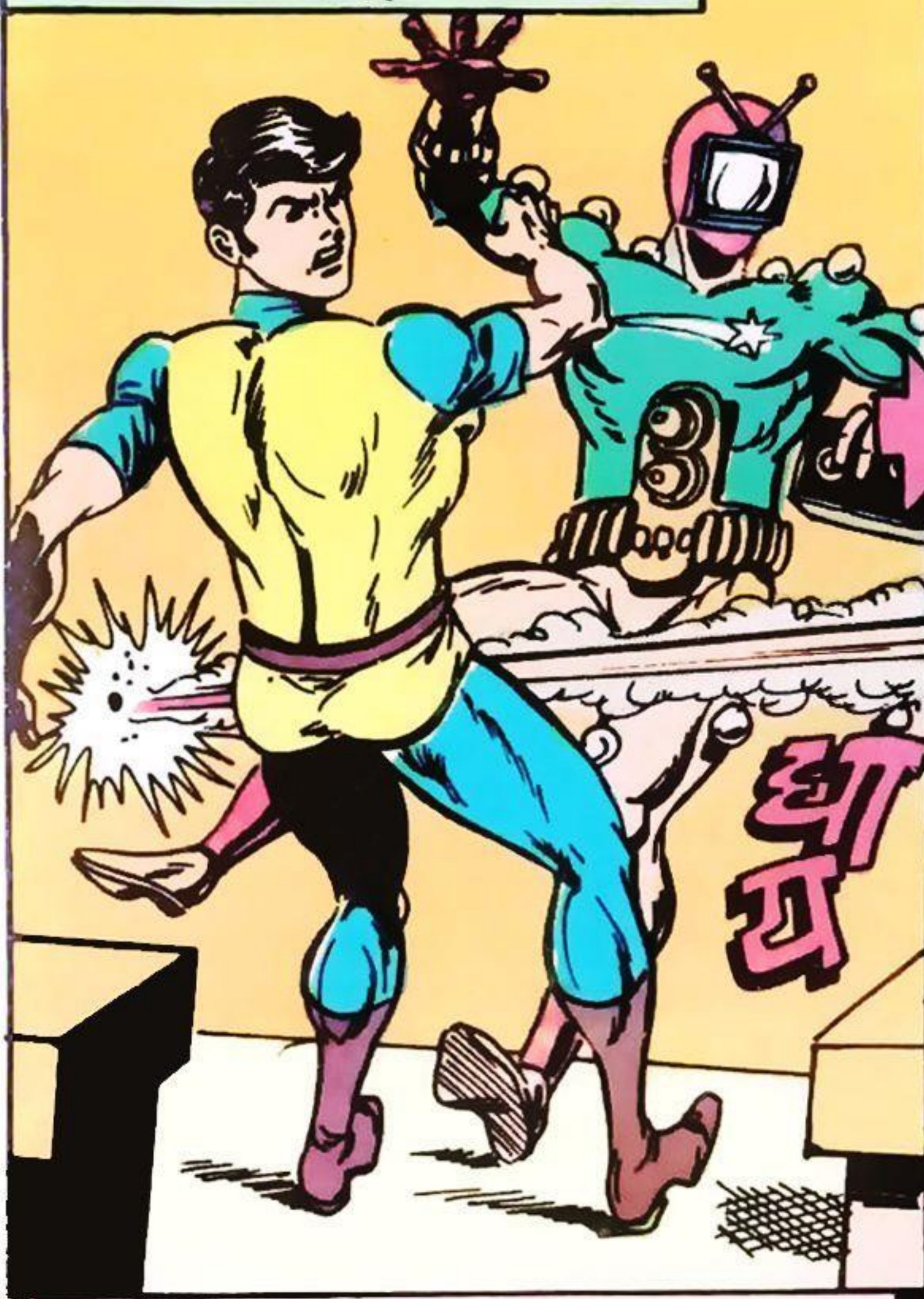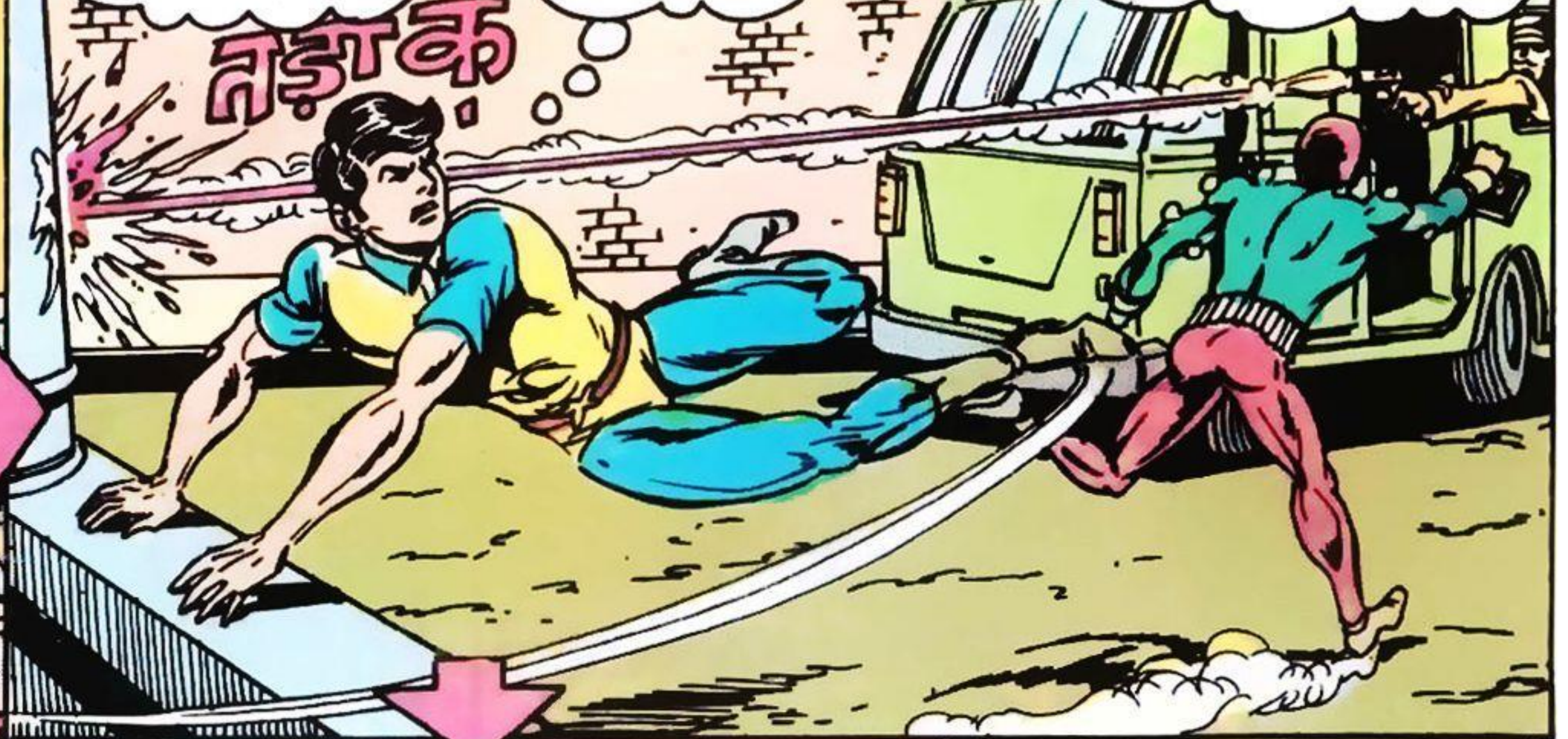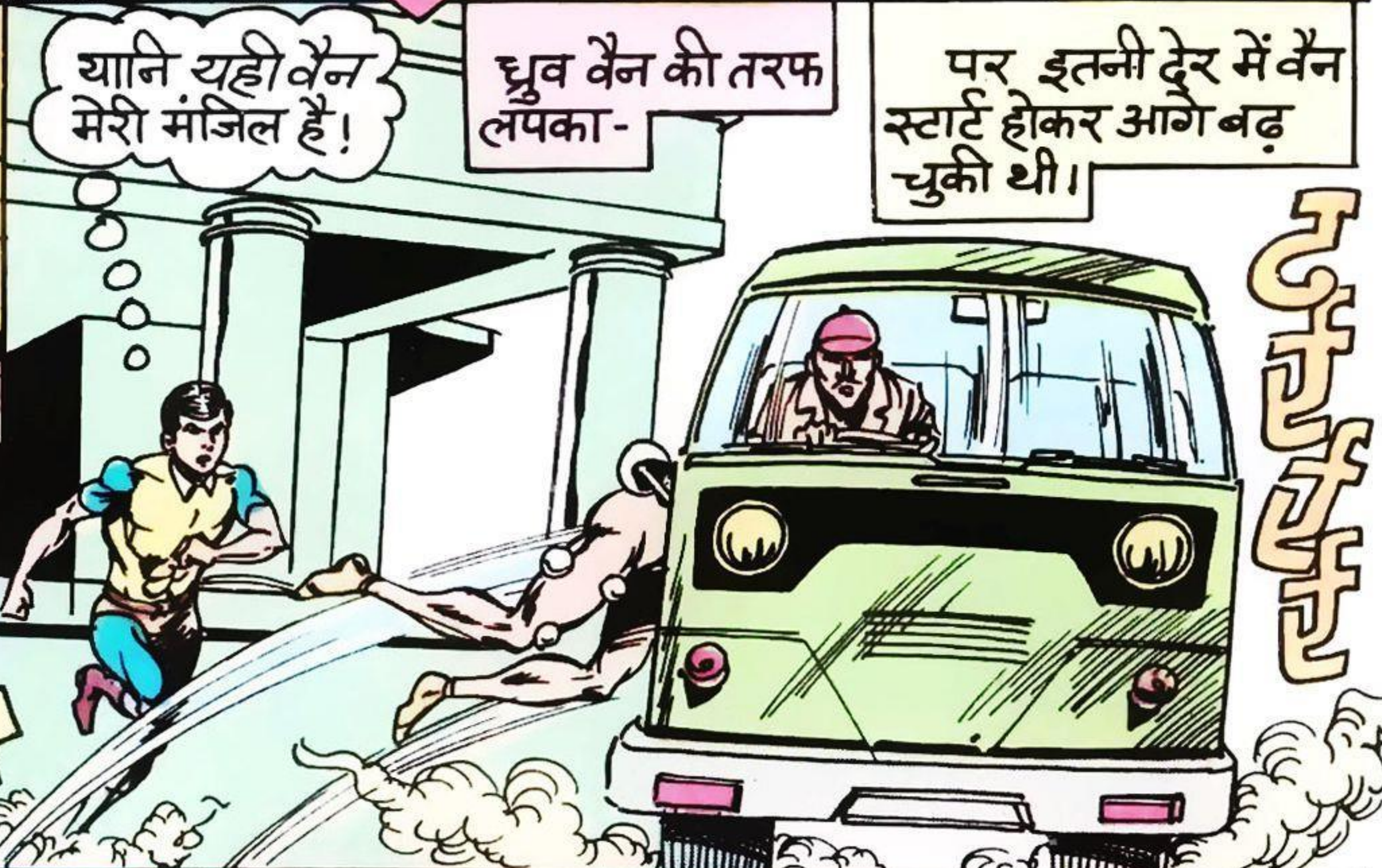
ओह्ह! यह बीसवीं कॉल थी।
अगर अभी भी वे मरदूद, कैसेट लेकर आ जाएं तो...
डायरेक्टर!

हम कैसेट लेकर आने में कामयाब हो गए।
शाबास! शाबास! मैं जानता था, कि सुपरस्टार के सामने तो ध्रुव भी नहीं टिक पाएगा! इसबार तो कोई गड़बड़ नहीं हुई?
व.. वह शायद ध्रुव ने मेरा चेहरा देख लिया है!
अब कोई फर्क नहीं पड़ता! क्योंकि कैसेट हमारे हाथ में आ चुकी है! पहले कैसेट चेक करो।

पर वी॰सी॰आर॰ चालू होते ही–
...यदा यदा हि धर्मस्य...

यह.. यह तो महाभारत की कैसेट है।
यानि ध्रुव ने मौका पाकर कैसेट बदल दी थी! मुझे मालूम होना चाहिए था कि तुम लोग ध्रुव से टक्कर नहीं ले पाओगे।
अब मुझे ही ध्रुव के लिए एक नई स्क्रिप्ट लिखनी पड़ेगी।

तुम अभी कह रहे थे रघु, कि ध्रुव ने तुमको देख लिया है।
हां, डायरेक्टर! मुझे डर है कि वह मुझे जरूर ढूंढ़ निकालेगा।
गुड, गुड!! अब हमको ध्रुव को भी रास्ते से हटाना है...
...और अपने दर्शकों को एक स्पेशल शो भी दिखाना है।

और ये दोनों काम करने का एक सीधा सा रास्ता है।..
...डबल रोल का।

और अगले दिन – राजनगर की एक घनी आबादी वाले मुहल्ले में बनी, एक पुरानी इमारत के सामने एक वैन आकर रुकी।
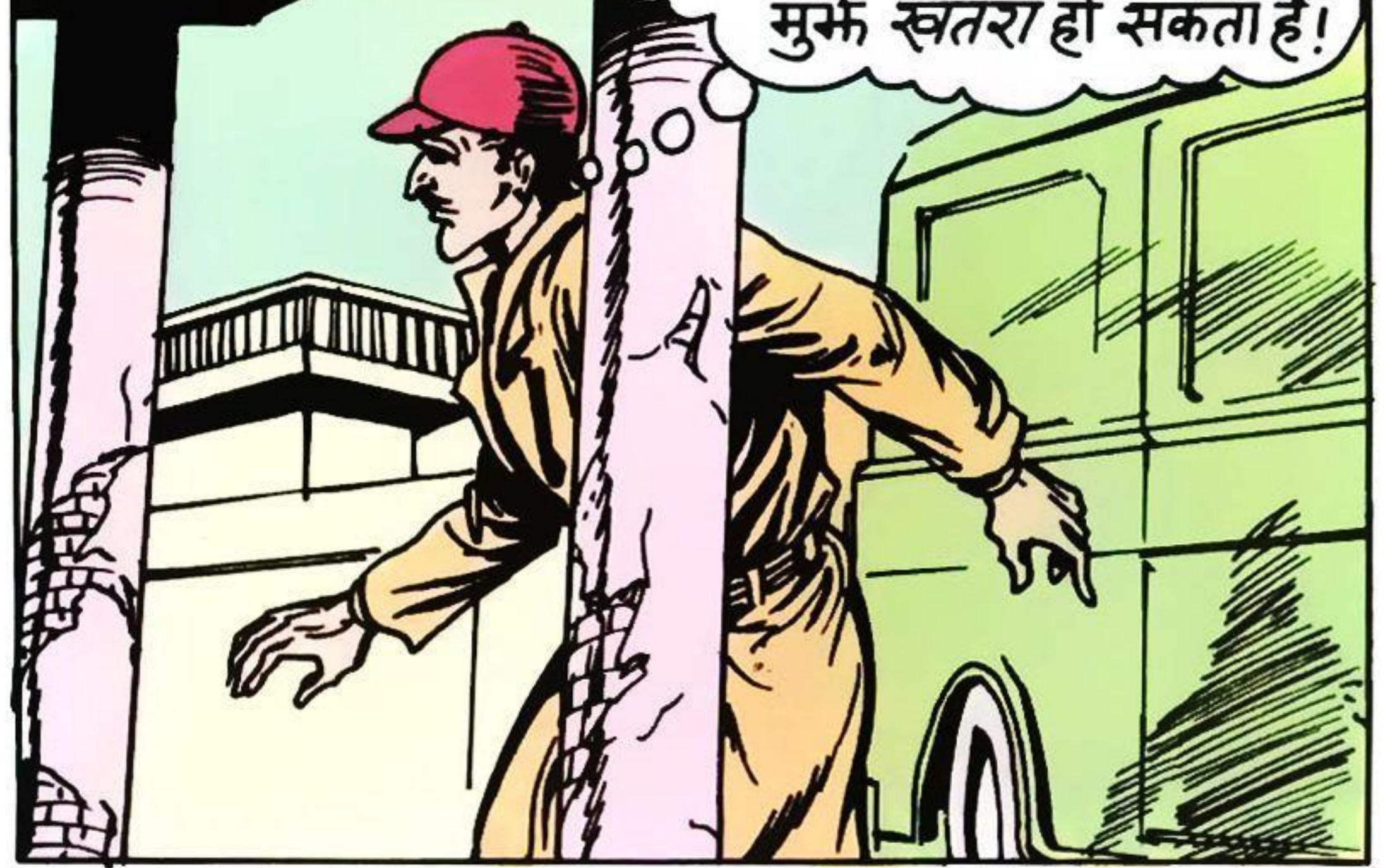
और उसमें से, रघु तेजी से नीचे उतरा।
पता नहीं क्यों, डायरेक्टर को यह बात समझ में ही नहीं आ रही थी, कि अब यहां रहने में मुझे खतरा हो सकता है!

ध्रुव मेरा पता लगाकर किसी भी वक्त यहां तक पहुंच सकता है!
बड़ी मुश्किलों के बाद डायरेक्टर ने अब मुझे यहां से कुछ जरूरी सामान ले जाने की इजाजत दी है।

अब इस अटैची में जल्दी से कुछ कपड़े और एक-दो जरूरी सामान रख लूं।

रघु ने अपने कपड़े निकालने के लिए अलमारी को खोला –

और डर के मारे, पलभर के लिए उस का सारा शरीर जड़ हो गया।
कहीं जाने की तैयारी है क्या, रघु पालजी?
ध... ध... ध्रु... ध्रुव!!
तुम (गटक) यहां तक कैसे प... पहुंच गए?

पुलिस-स्टेशन के रिकॉर्ड में तुम्हारा पता बहुत साफ-साफ अक्षरों में लिखा हुआ है।
और पते के ऊपर तुम्हारी बदसूरत शक्ल की एक फोटो भी लगी हुई है।
और अब पुलिस रिकॉर्ड में यह भी दर्ज किया जाएगा कि सुपर कमांडो ध्रुव की लाश भी इसी पते पर मिली थी।
रघु के हाथ में एक पिस्तौल चमक उठी।...
...पर ट्रिगर दब पाने से पहले ही पिस्तौल हवा में उड़ गई —
चंडिका! तुम यहां कैसे?
तुम्हारी ही तरह मैं भी कई दिनों से इस गैंग की तलाश में थी।
हर अपराध में इन लोगों ने एक ही वैन का इस्तेमाल किया था।
उसी का पीछा करते-करते मैं यहां तक आ पहुंची।
और अब यह, हम को अपने बॉस तक पहुंचाएगा।
बोल! कहां पर है तेरा अड्डा?
मैं कभी नहीं बता...
तड़ाक
आऊ!
जब तक नहीं बताएगा, तब तक ऐसे ही मार खाता रहेगा।
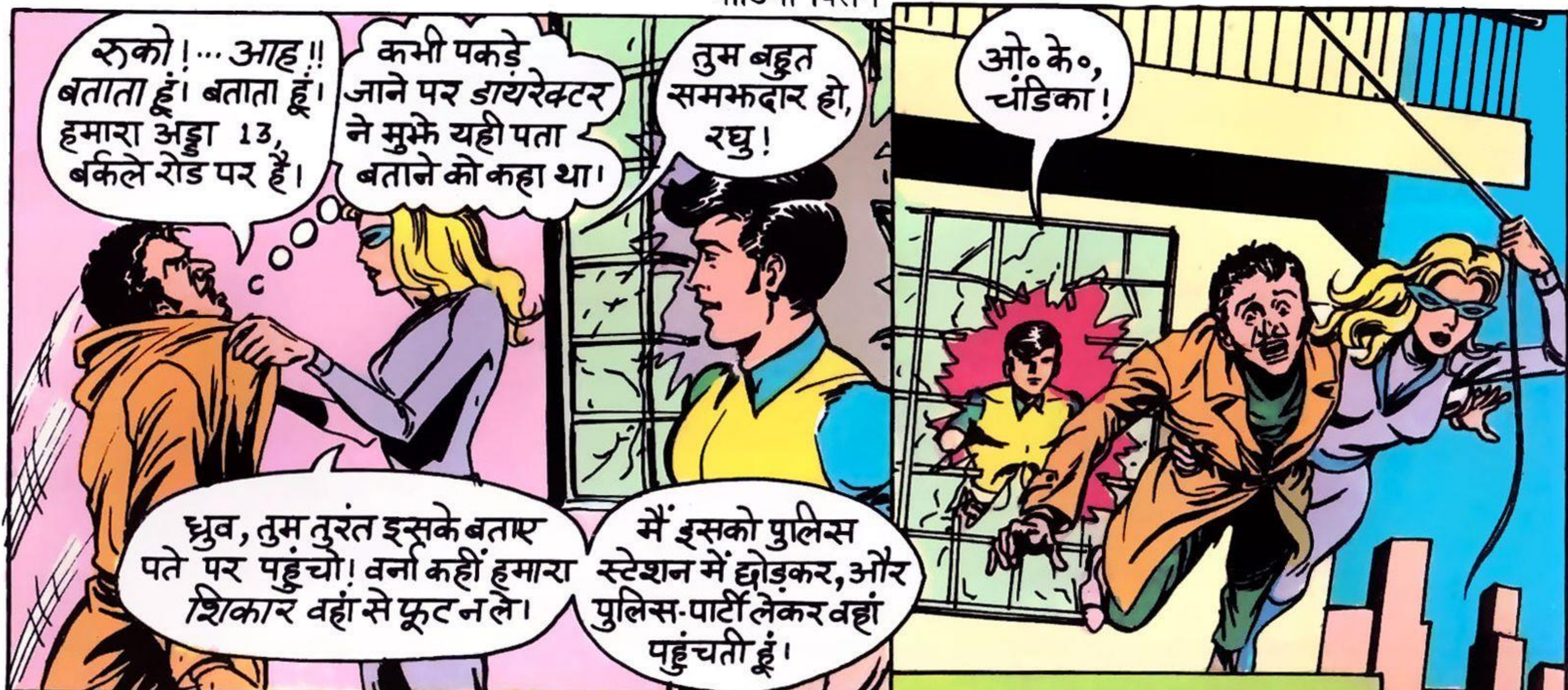
रुको!... आह!! बताता हूं। बताता हूं। हमारा अड्डा 13, बर्कले रोड पर है।
कभी पकड़े जाने पर डायरेक्टर ने मुझे यही पता बताने को कहा था।
तुम बहुत समझदार हो, रघु!
ध्रुव, तुम तुरंत इसके बताए पते पर पहुंचो! वर्ना कहीं हमारा शिकार वहां से फूट न ले।
मैं इसको पुलिस स्टेशन में छोड़कर, और पुलिस-पार्टी लेकर वहां पहुंचती हूं।
ओ॰ के॰, चंडिका!
अगले ही पल- भयभीत रघु को लेकर चंडिका हवा में तैर गई।
और उसी पल- एक धमाके के साथ- चंडिका के हाथ की मजबूत डोर, दो टुकड़ों में बंट गई।
धांय
और चंडिका और रघु के शरीर नीचे की तरफ गिरने लगे।
ध्रुव जबतक पूरा मामला समझकर घटनास्थल तक पहुंच पाता-
ओह! इस हमले से तो यह रघु के साथियों की हरकत लगती है।
धूल का गुबार उड़ाती गाड़ी, एक बार फिर उसको मात दे गई।
हे भगवान! यह क्या हो गया?
चंडिका, दुश्मनों के हाथों लग गई।

लेकिन ये गुंडे चंडिका को लेकर तो अपने अड्डे पर ही जाएंगे।
और उस अड्डे का पता रघु मुझको बता चुका है।
ध्रुव की मोटरसाइकल, तूफान की सी रफ्तार से बर्कले रोड की तरफ बढ़ी।
लेकिन रघु के बताए पते पर एक और आश्चर्य उसका इंतजार कर रहा था।
हां, साहब। मुझे पक्का पता है कि यही 13, बर्कले रोड है!
यह खाली प्लॉट!? यानि रघु ने झूठ बोला था।
एक मिनट!

इस पत्थर के नीचे दबा कागज एकदम नया लग रहा है।
जैसे कि अभी-अभी रखा गया हो।
शायद इसको यहां पर मेरे लिए ही रखा गया है।
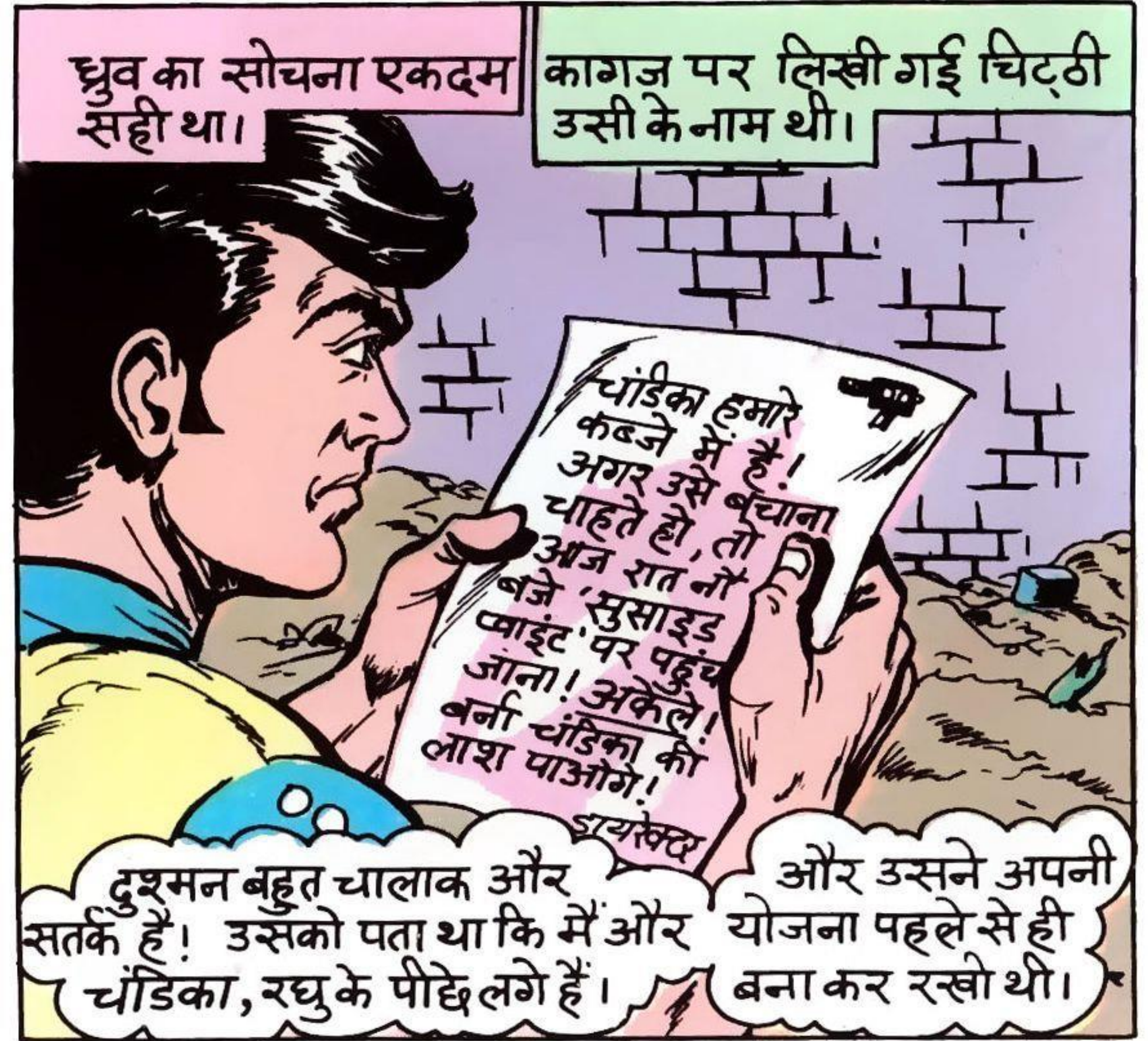
ध्रुव का सोचना एकदम सही था।
कागज़ पर लिखी गई चिट्ठी उसी के नाम थी।
चंडिका हमारे कब्जे में है। अगर उसे बचाना चाहते हो, तो आज रात नौ बजे 'सुसाइड प्वाइंट' पर पहुंच जाना! अकेले! वर्ना चंडिका की लाश पाओगे!
दुश्मन बहुत चालाक और सतर्क है! उसको पता था कि मैं और चंडिका, रघु के पीछे लगे हैं।
और उसने अपनी योजना पहले से ही बना कर रखी थी।

यह तो पक्का है, कि दुश्मनों ने मेरे लिए कोई खतरनाक जाल बिछा रखा है।
पर चंडिका को बचाने के लिए मुझे इस जाल में फंसना ही पड़ेगा।
घर पहुंच कर भी ध्रुव का दिमाग, चंडिका में ही उलझा हुआ था।
अभी अंधेरा होने में काफी समय है। तब तक वे गुंडे न जाने चंडिका का क्या हाल करेंगे?
कहीं उसी पर शूटिंग न चल रही हो?
ओफ़!
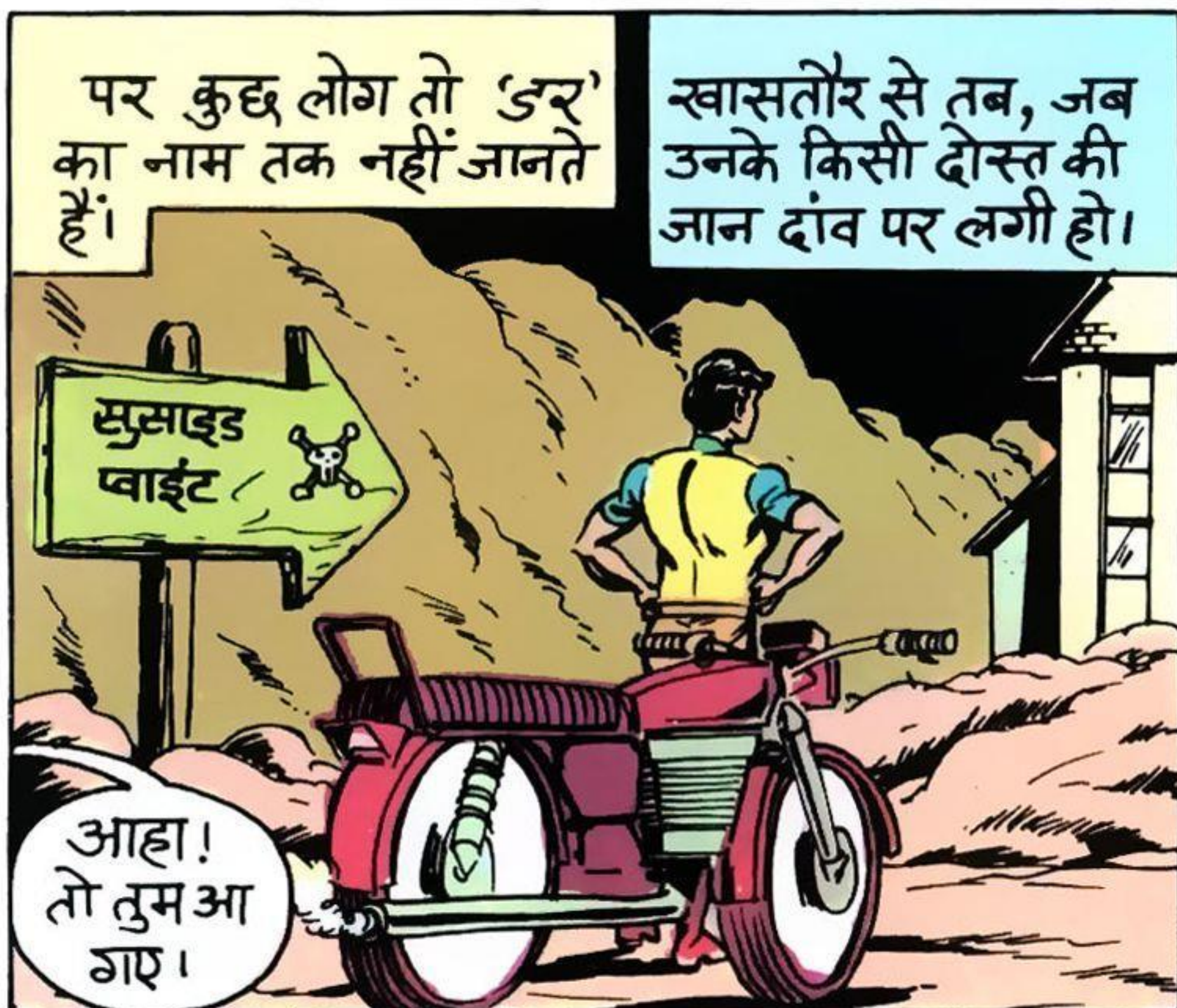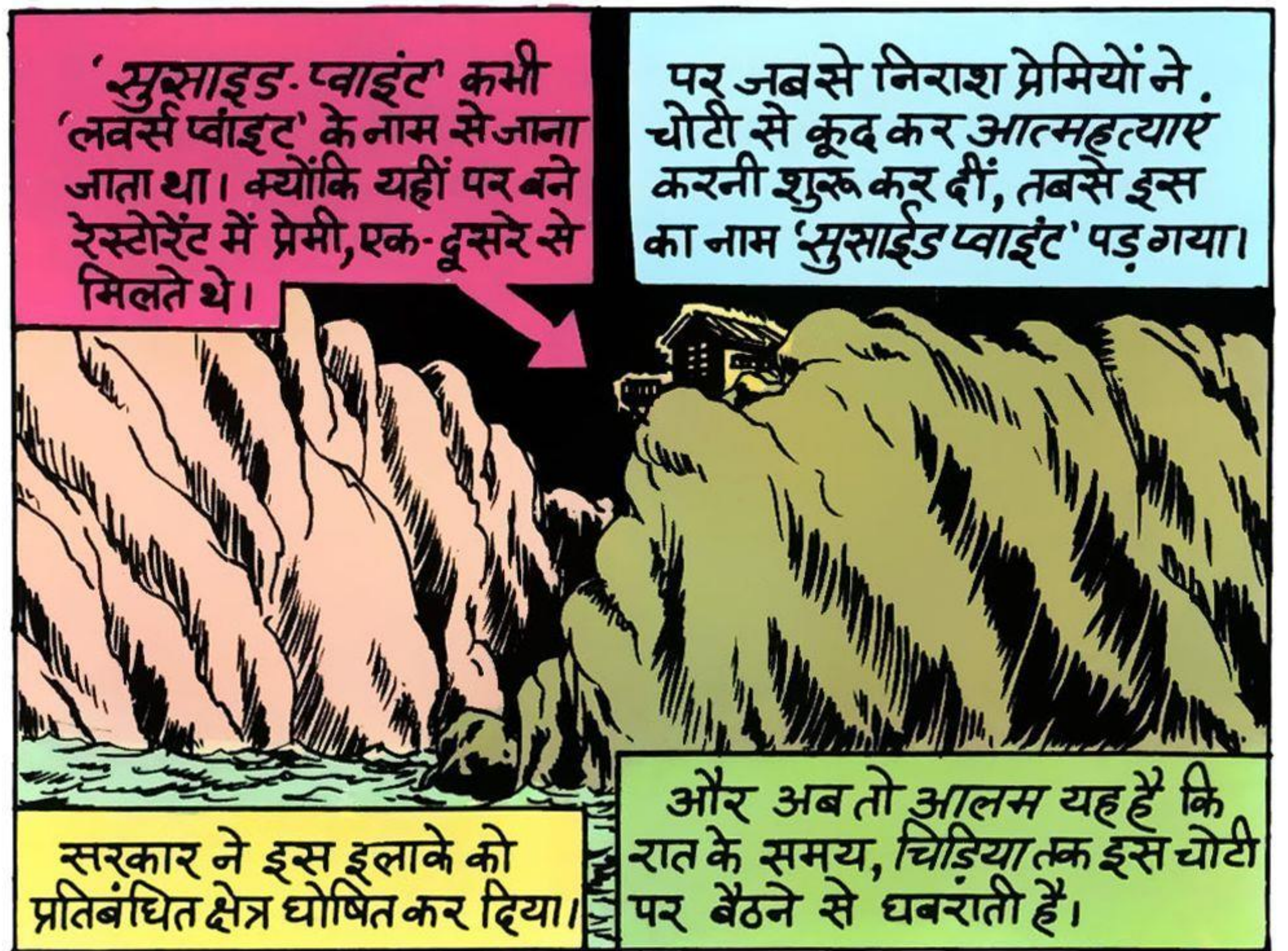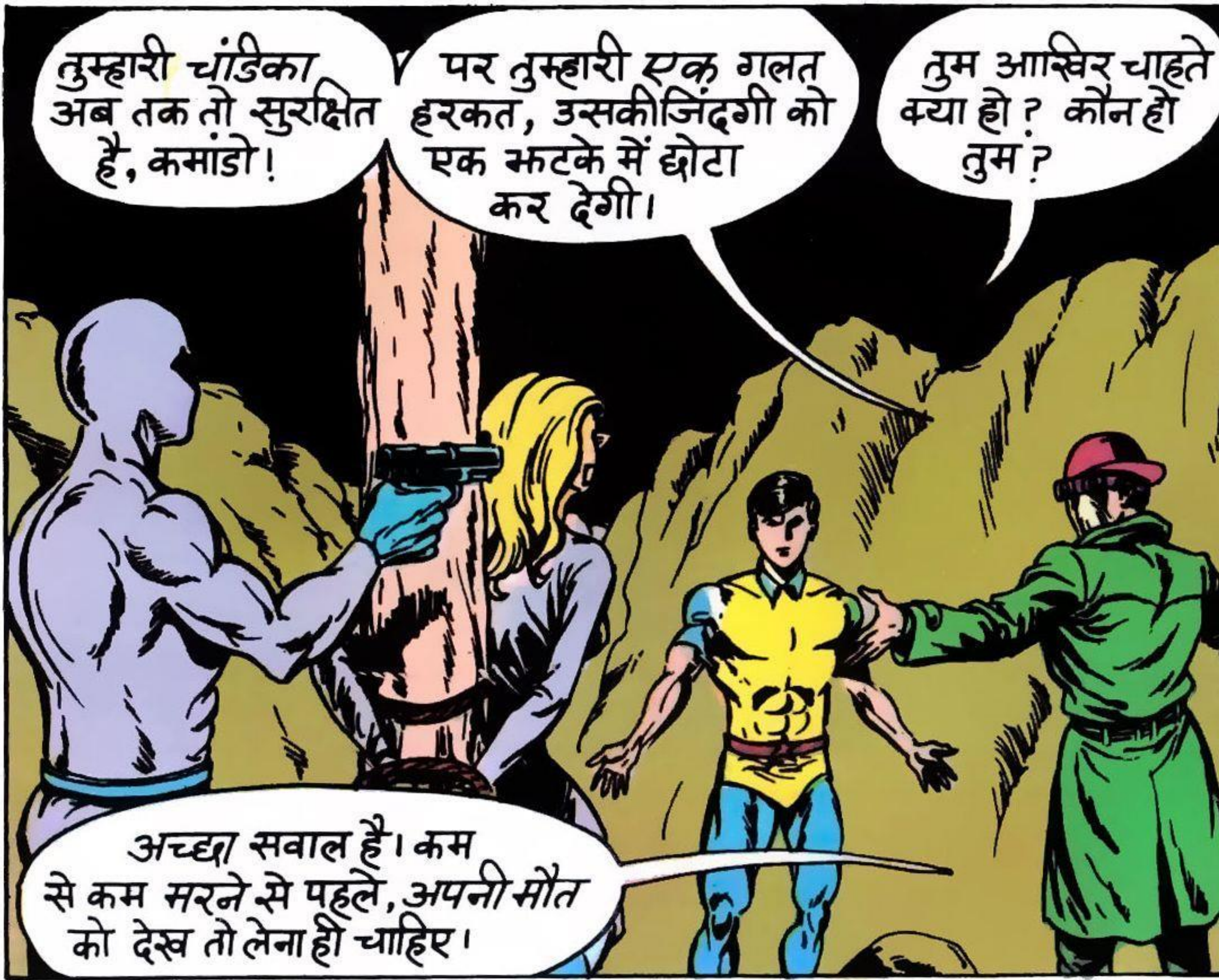
क्या सोच रहे हो, ध्रुव ? तुम्हारे चेहरे पर तो परेशानी भी झलक रही है। क्या हुआ ?
चंडिका का अपहरण हो गया है, नताशा ! अभी एक घंटे पहले मेरी आंखों के सामने उसका अपहरण कर लिया गया।
चंडिका का अपहरण !! पर...
समझी ! पर इस वक्त वह है कहां पर ?

किन लोगों ने उसका अपहरण किया है ?
यह मैं तुमको नहीं बता सकता, नताशा। किसी को नहीं बता सकता !
यह लड़ाई मुझको अकेले ही लड़नी होगी !
वर्ना चंडिका की जान खतरे में पड़ जाएगी।

नताशा सिर्फ खामोशी से ध्रुव की बात सुनती रही।
पर उसके चेहरे से साफ जाहिर था, कि वह भी कोई योजना बना रही है।

'सुसाइड-प्वाइंट' कभी 'लवर्स प्वाइंट' के नाम से जाना जाता था। क्योंकि यहीं पर बने रेस्टोरेंट में प्रेमी, एक-दूसरे से मिलते थे।
पर जबसे निराश प्रेमियों ने चोटी से कूद कर आत्महत्याएं करनी शुरू कर दीं, तबसे इस का नाम 'सुसाइड प्वाइंट' पड़ गया।
सरकार ने इस इलाके को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया।
और अब तो आलम यह है कि रात के समय, चिड़िया तक इस चोटी पर बैठने से घबराती है।

पर कुछ लोग तो 'डर' का नाम तक नहीं जानते हैं।
खासतौर से तब, जब उनके किसी दोस्त की जान दांव पर लगी हो।
सुसाइड प्वाइंट
आहा ! तो तुम आ गए।

वेलकम, मि० ध्रुव ! अपनी नई वीडियो फिल्म के मुहूर्त पर 'डायरेक्टर' तुम्हारा स्वागत करता है।
चंडिका कहां है, डायरेक्टर ?

पर उसकी सारी फिल्में फ्लॉप हो गईं। क्योंकि दर्शक अच्छी फिल्मों के बजाय हिंसा से भरी फिल्में देखना चाहते थे। फिर एक दिन ऐसा आया जब सुरेन के पास रोटी खाने तक के पैसे नहीं बचे।

और उसी दिन, सुरेन ने इसी चोटी से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली!

पर उस की लाश नहीं मिल सकी।

मुझे मालूम है। यह खबर तो हर अखबार में छपी थी।

पर इस कहानी से तुम्हारा क्या संबंध है?

इस कहानी का सच सिर्फ मैं जानता हूं।

यह खबर झूठी थी।

सुरेन दत्त उस दिन मरा नहीं था।

हां, मैं! अच्छी फिल्में फ्लॉप होने के बाद मैं समझ गया था कि इस देश के सारे फिल्मी दर्शक हिंसा के पुजारी हैं।

मैंने उसी वक्त तय कर लिया था, कि हिंसा की दीवानी इस दुनिया को उनके स्वाद की ही फिल्में दिखाऊंगा।

और फिर मैंने असली हिंसा वाली फिल्में बनानी शुरू कर दीं!

..'सुपर कमांडो ध्रुव की मौत'!

और मैंने इसके 'स्पेशल सीधे प्रसारण' की खास व्यवस्था की है।

अब शूटिंग शुरू होती है।

रेडी!

सीन वन! फाइनल टेक!

इस आवाज के साथ ही चारों तरफ कई तेज रोशनियां एक साथ चमक उठीं।

कैमरा, स्टार्ट हो गया।

घड़ घड़ घड़

घड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़

और कई मोटरसाइकलें, तेज रफ्तार से, ध्रुव की तरफ लपकीं।
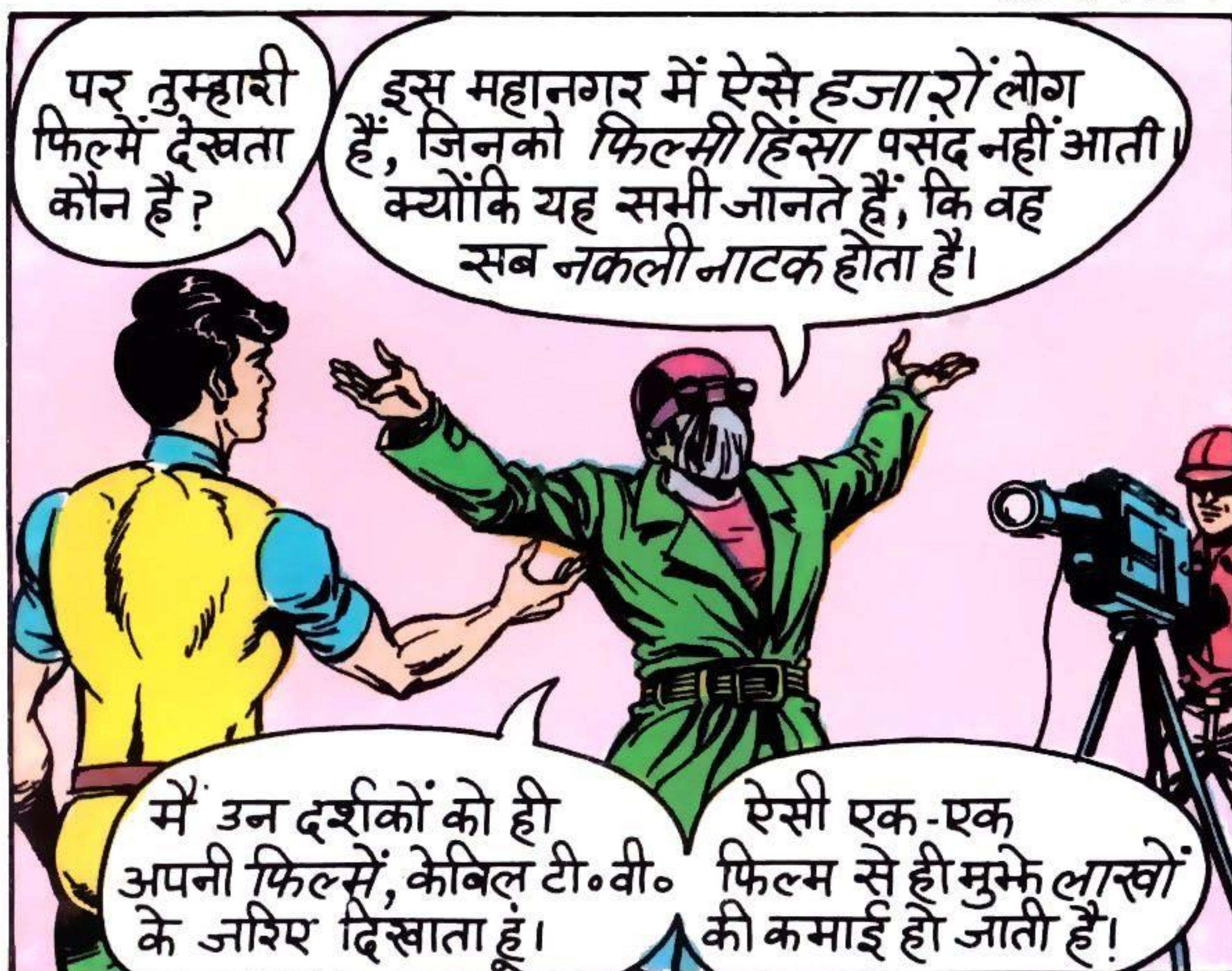
ध्रुव के पास अब कुछ भी सोचने का समय नही था।
समय था, तो सिर्फ अपना बचाव करने का...
...और साथ ही साथ वार करने का।
ता ड.
राजनगर के कई घरों में यह सीधा प्रसारण, डायरेक्टर के स्पेशल केबिल टी॰वी॰ सेंटरों के जरिए देखा जा रहा था।
और सराहा जा रहा था।
वा..वाह! आज तो 'डायरेक्टर' ने पैसे वसूल करा दिए।
असली लड़ाई तो यह रोज ही दिखाता था।
पर ध्रुव की असली लड़ाई! और वह भी सजीव!! वाह!
मोटरसाइकलों के पहियों से उड़ती धूल, ध्रुव की आंखों में आ पड़ी।
तड़ाक
और ध्रुव अपने कंधे की तरफ लपक रही चेन को नहीं देख पाया।

ध्रुव के संभल पाने से पहले ही लाहे की एक छड़ उसके सिर से आ टकराई।
धाड़
ध्रुव जमीन पर आ गिरा।
और मोटरसाइकलें उसको कुचल देने के लिए आगे लपकीं।
पर ऐसा हो नहीं पाया।
दो मोटरसाइकल सवार, एक बार में ही धराशायी हो गए।
धड़ाक
धड़ाक
और उसी पल, ध्रुव का शरीर हवा में उड़ा-
?
और उसके पैर, चलती मोटरसाइकलों पर आ टिके। ध्रुव ने अपने शरीर को एक हल्के से कोण से मोड़ा।
और मोटरसाइकलें, अपना रास्ता बदलकर, वापस मुड़ चलीं।
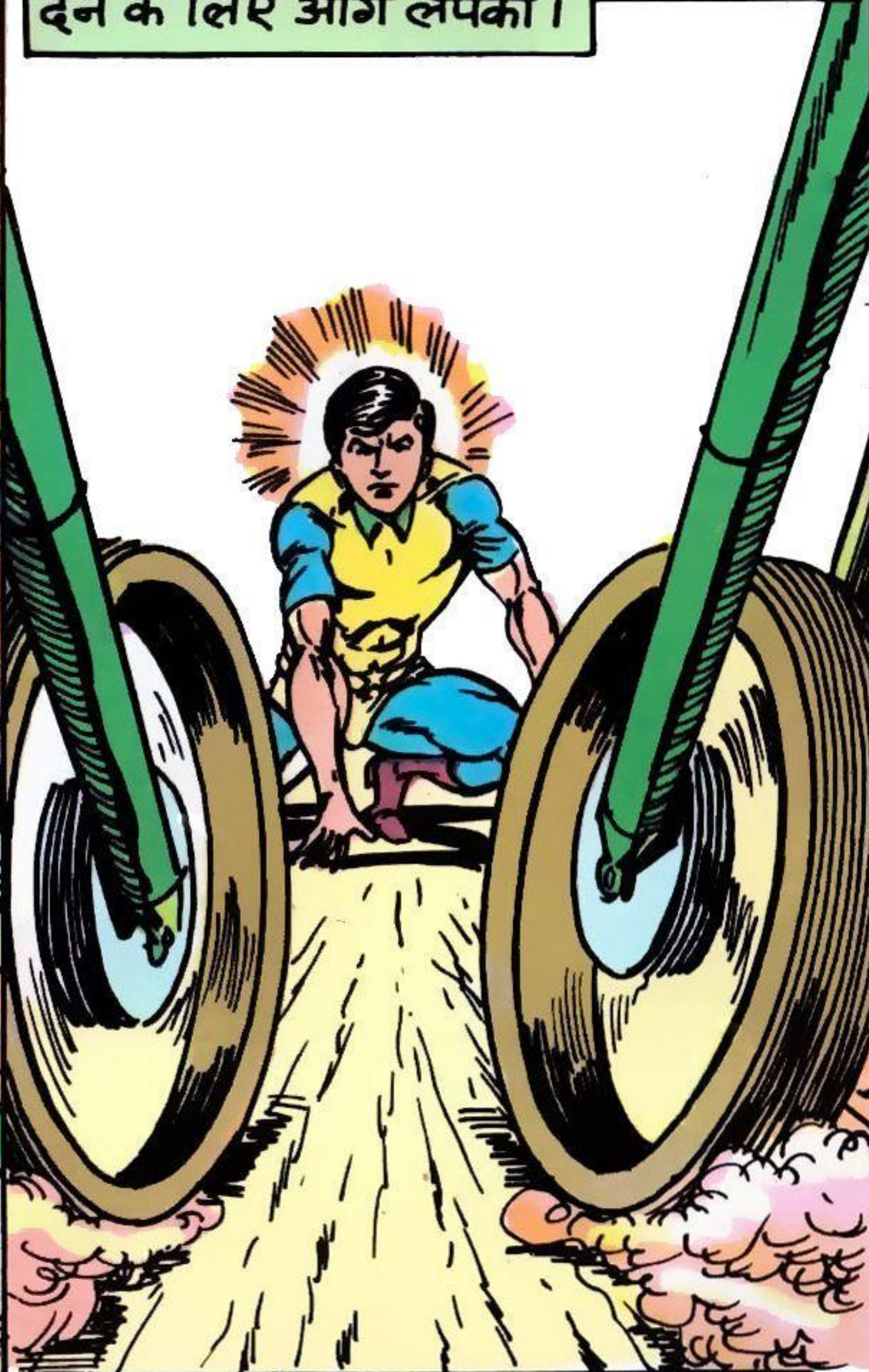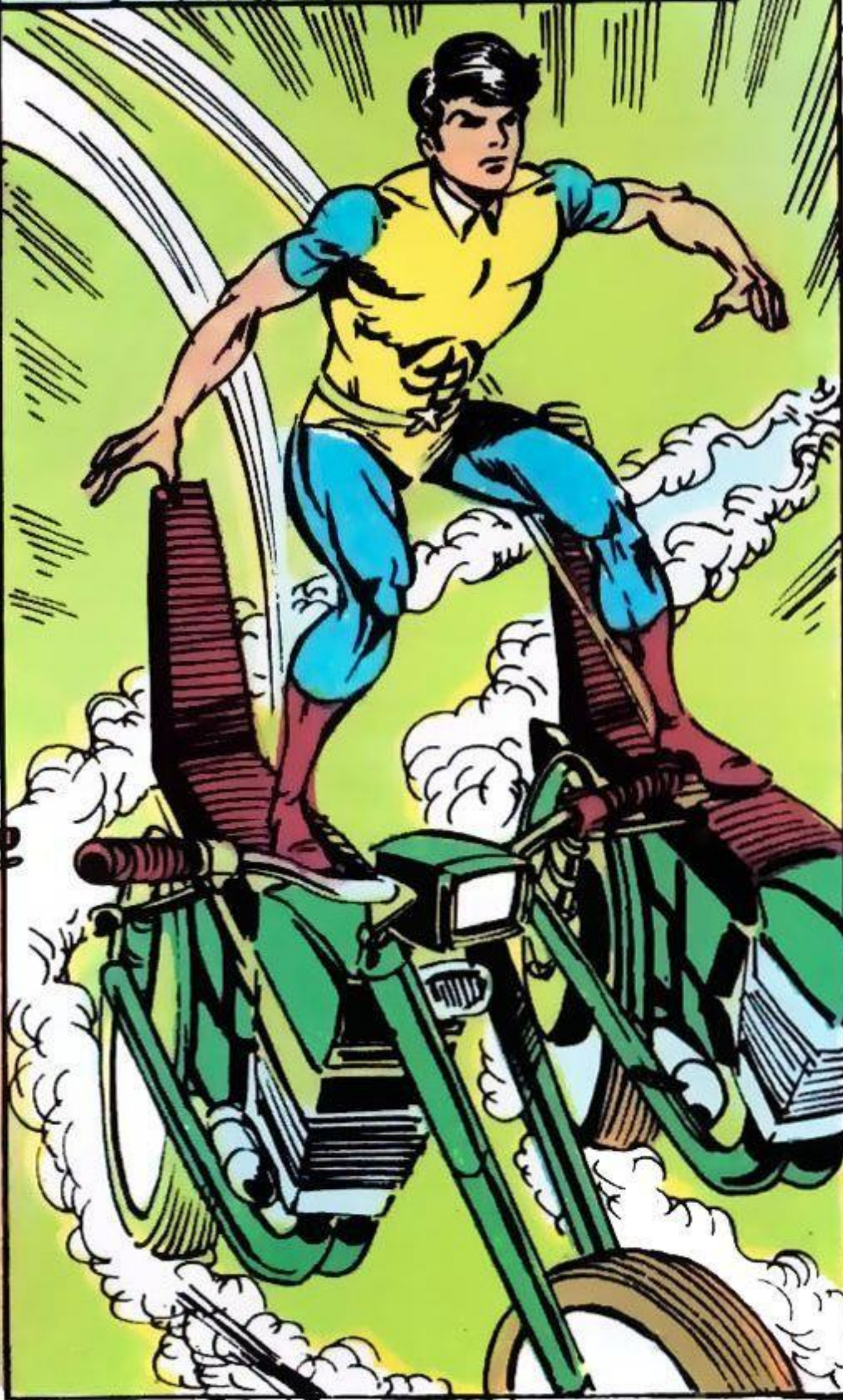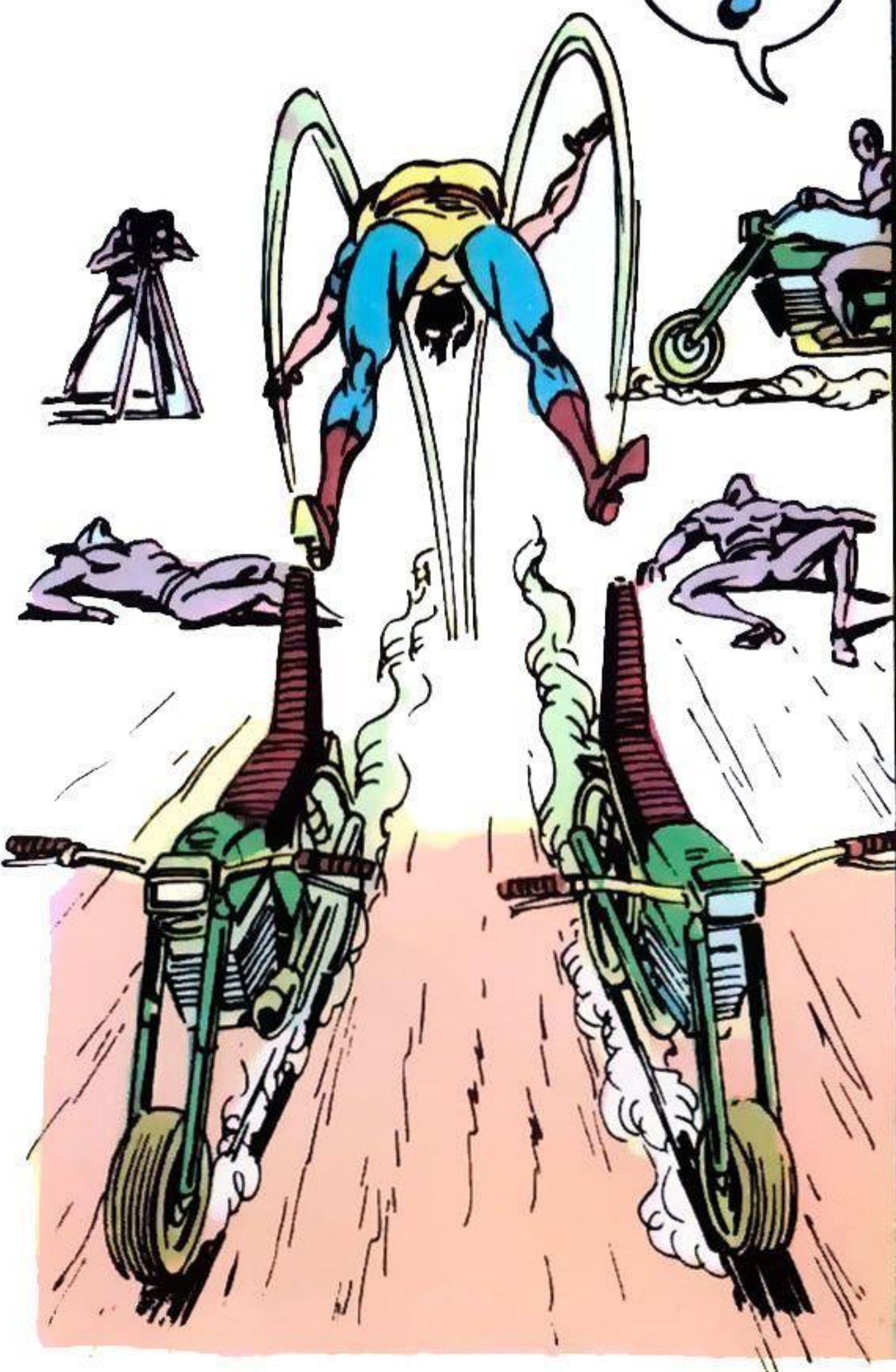
एक पल बाद, दो और मोटरसाइकलें धराशायी हो गई।
तड़ाक
धड़ाक

अब सिर्फ दो नकाबपोश और बचे थे। और उनके लिए ध्रुव को कुछ करने की जरूरत नहीं थी।
?
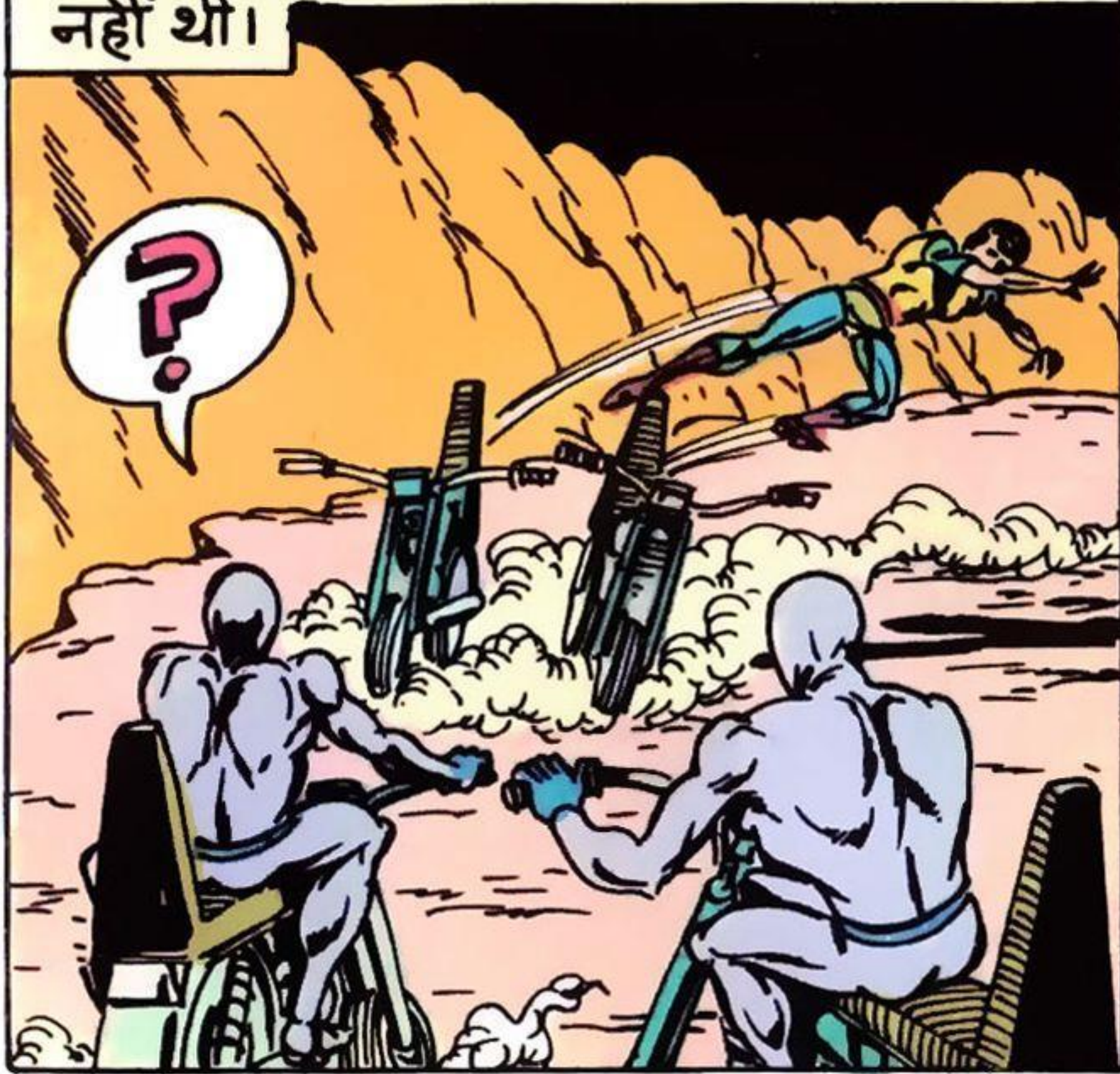
ध्रुव का काम मोटरसाइकलों ने खुद ही कर दिया।
कड़़़़च्च
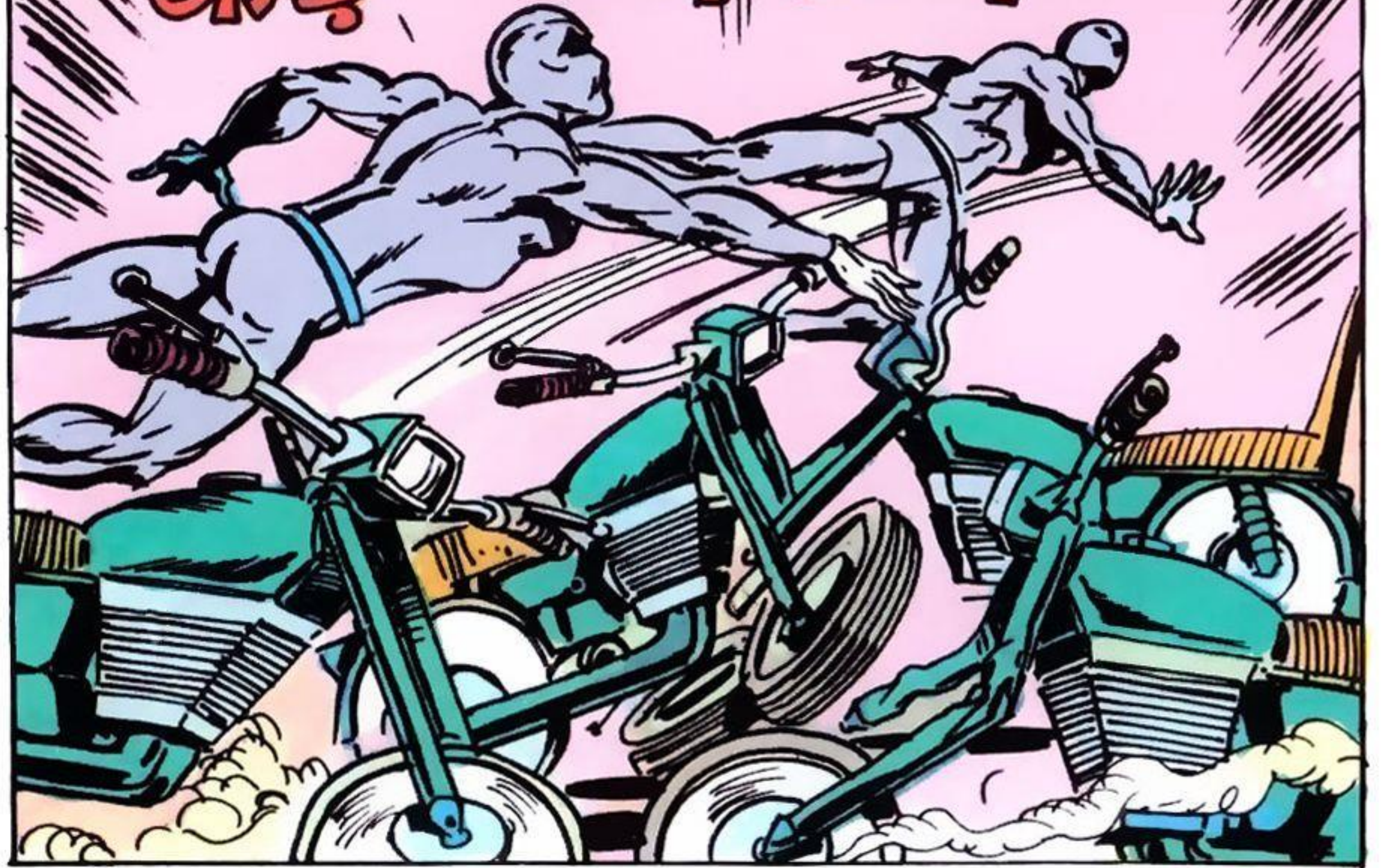
एक लड़ाई खत्म हो चुकी थी। पर-
कमाल का एक्शन करते हो, यार ध्रुव! जवाब नहीं तुम्हारा!
इंटरवल तक के तो सारे सीन हो गए!

अब जरा क्लाईमेक्स की भी शूटिंग कर ली जाए! क्योंकि उसी में तो दर्शक तुम्हारी मौत देख पाएंगे!
और क्लाईमेक्स होगा,...

... फाइट मास्टर गुनोला से तुम्हारी रस्से पर लड़ाई!
फर्क सिर्फ इतना होगा, कि गुनोला की कमर से रस्सा बंधा होगा, और तुम्हारी गर्दन से रस्सा बंधा होगा!
शर्त सिर्फ यह है कि तुम गुनोला से जीतने की कोशिश कतई नहीं करोगे।
यानि हर हालत में मेरी मौत निश्चित है।
पर अगर मैं इस इकतरफा लड़ाई से इंकार कर दूं।
तो चंडिका की खोपडी में एक छेद हो जाएगा!
ध्रुव के सामने और कोई रास्ता नहीं था।
सिवाय उस लड़ाई के लड़ने के, जिसका अंत पहले ही तय हो चुका था।
और यह अंत था - ध्रुव की मौत।
हर आंख ध्रुव और गुनोला की लड़ाई पर जमी थी।
किसी का भी ध्यान चंडिका और उसके पहरेदार की तरफ नहीं था।
जहां पर एक नया सीन चल रहा था।
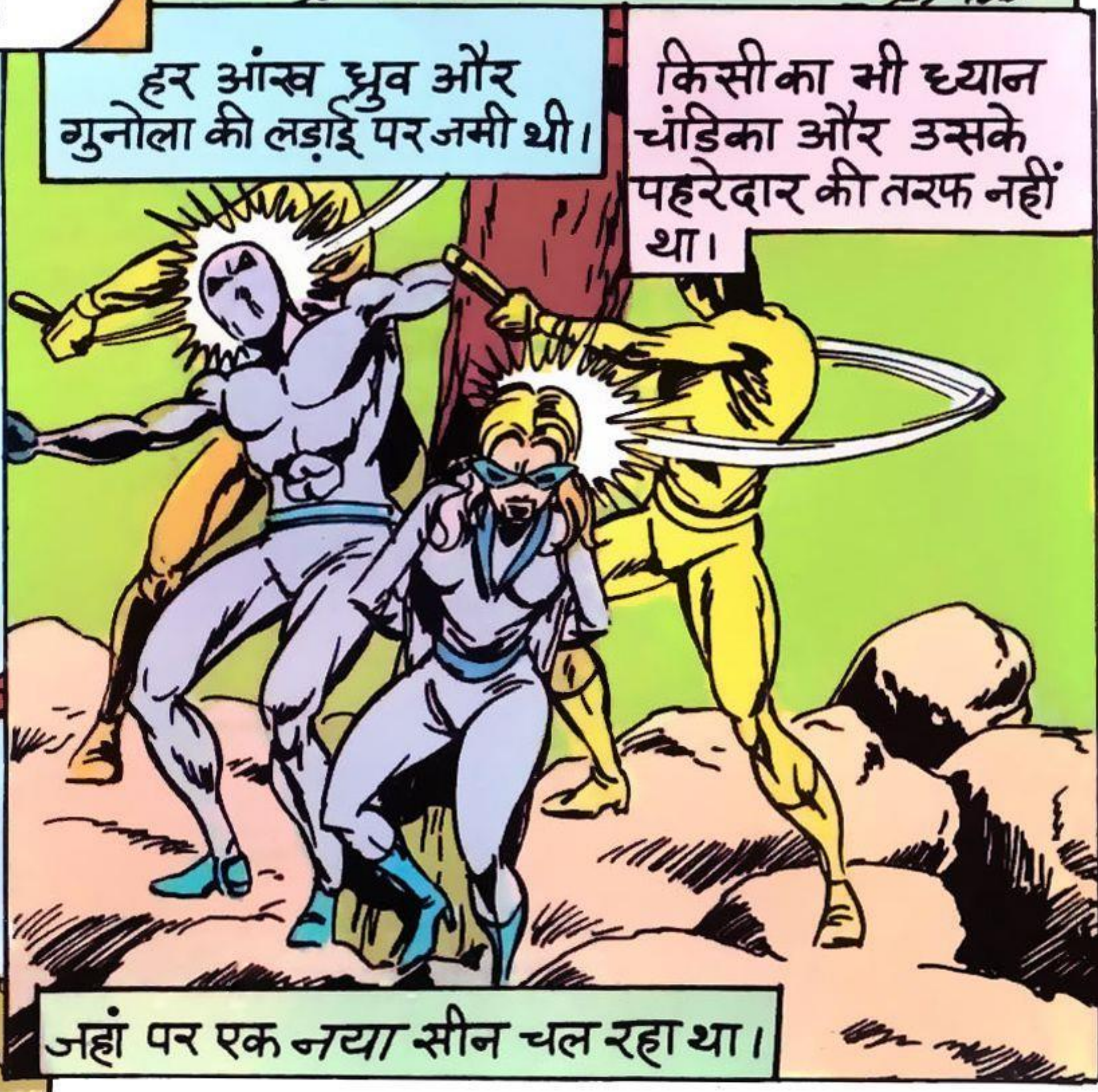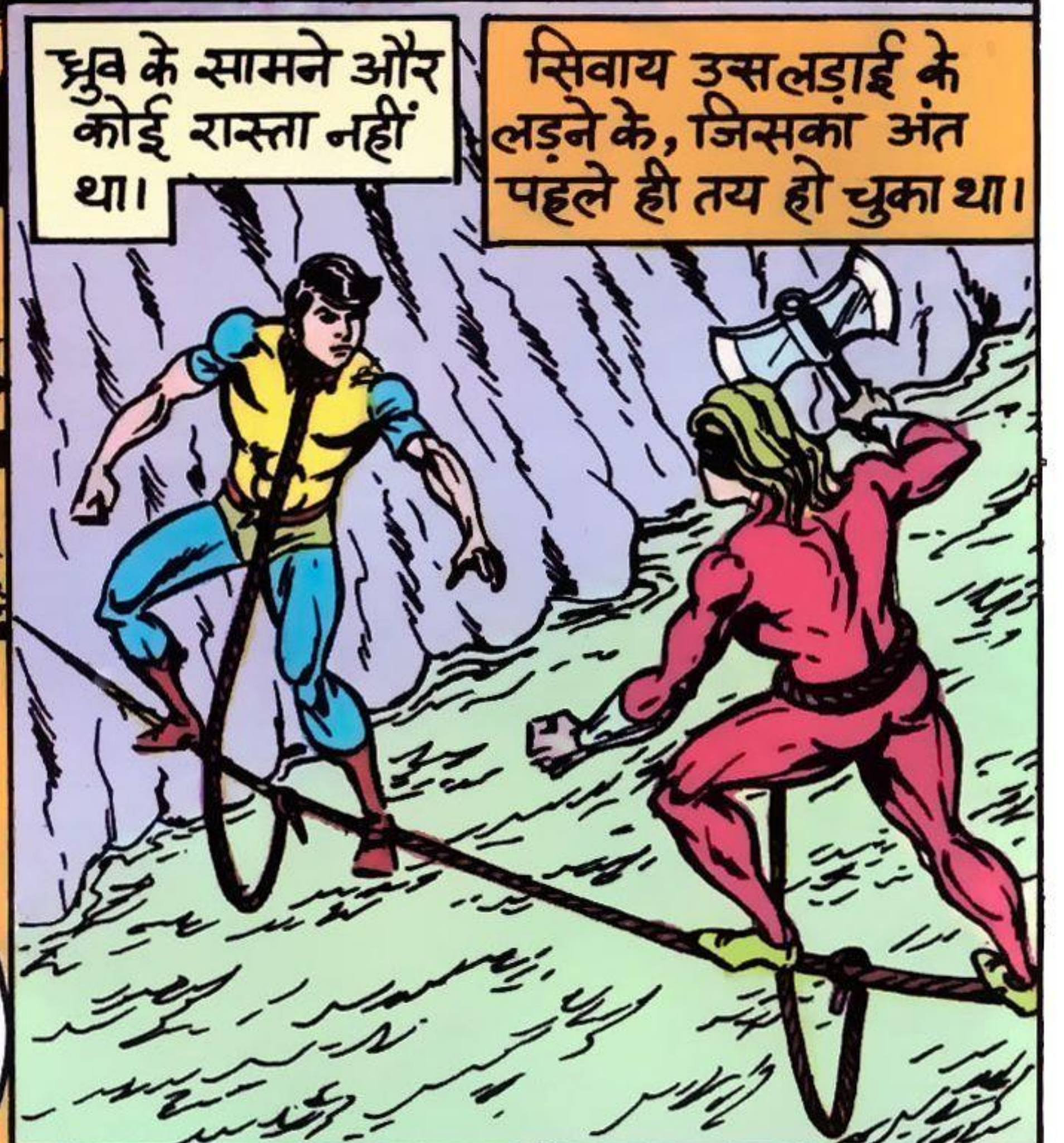
पर एक मिनट बाद- जब एक गॉर्ड का ध्यान उधर गया, तो सब कुछ वैसे का वैसा ही था।
गुनालो के वारों से खीज उठे ध्रुव के हाथ चले!
गुनोला को पेशेवर कुश्ती में कई सालों का अनुभव था।
ध्रुव के वारों को पहले ही भांप लेना, उसके लिए बाएं हाथ का खेल था।
तड़ाक
ओह! इसमें तो चीते जैसी फुर्ती है और सांड जैसी ताकत।
और यह रस्से पर जिस तरह से उछल रहा है, उससे मुझे असंतुलित होकर नीचे गिरने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।
और नीचे गिरते ही मुझको फांसी लग जाएगी!
इस लिए सबसे पहले गर्दन से बंधी रस्सी का इंतजाम करना पड़ेगा!
गुनोला का फरसा, ध्रुव की गर्दन काट देने को घूमा। और साथ ही साथ, ध्रुव हवा में उछला।
खच
फरसे का तेज फल, मजबूत रस्से को सूत की तरह काटता चला गया।
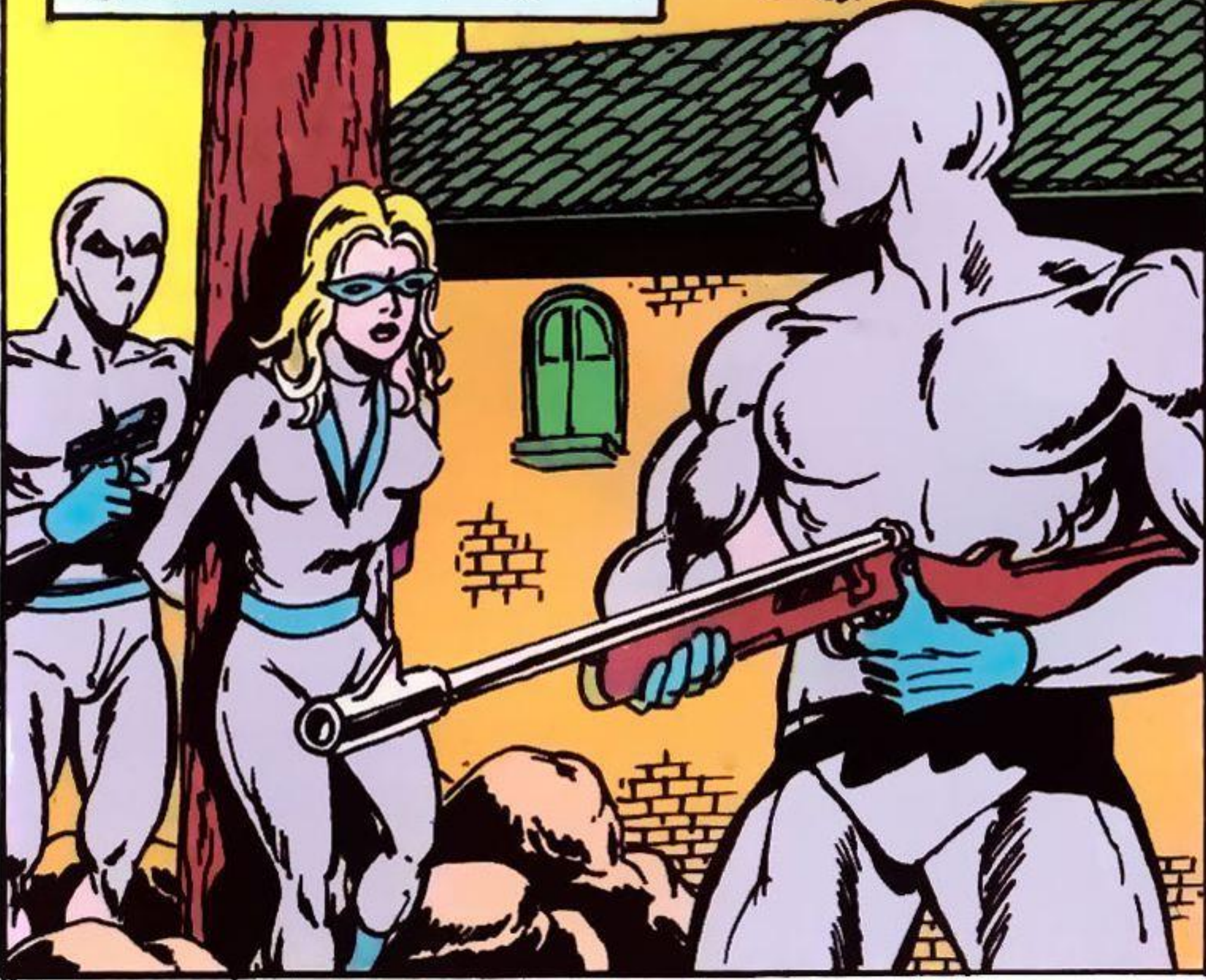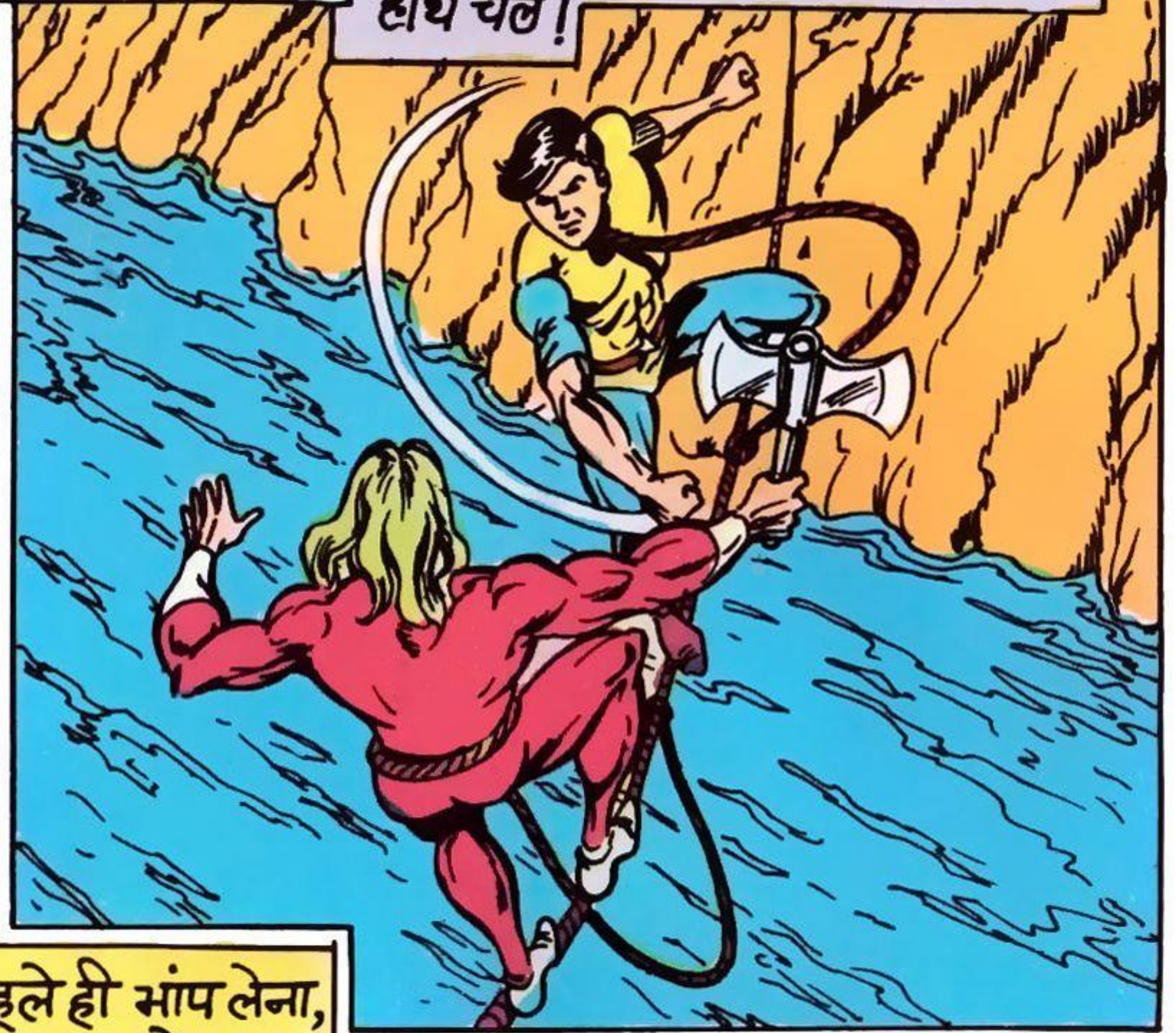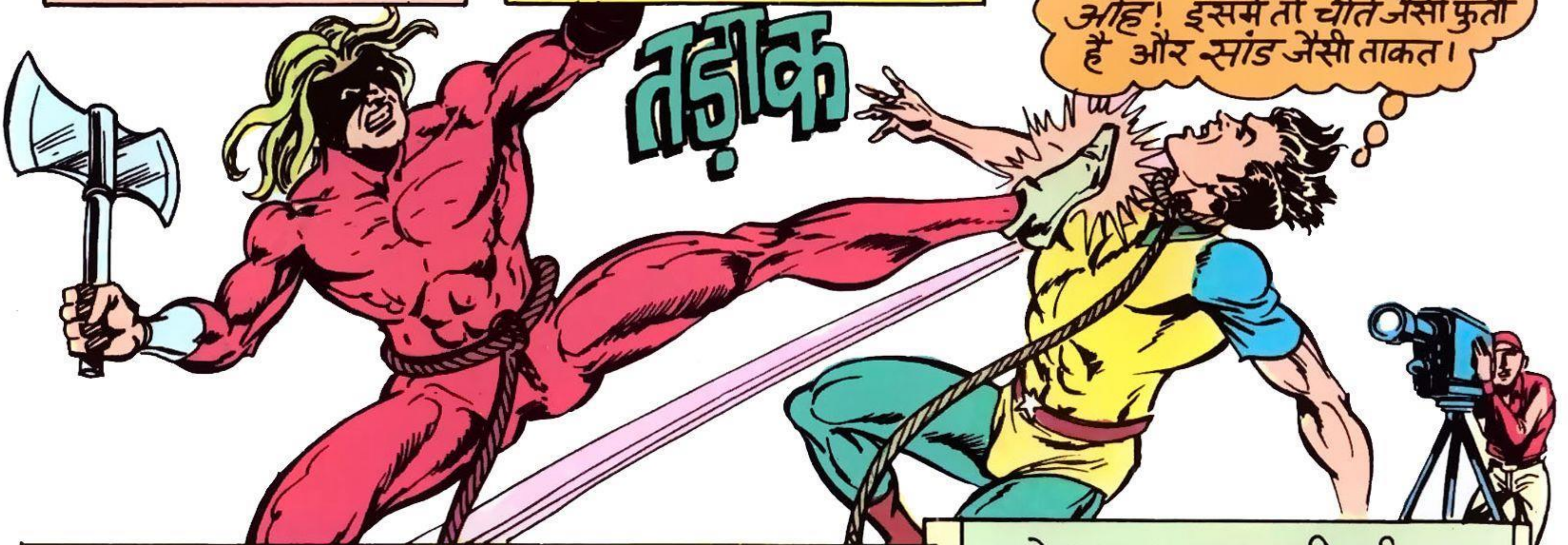
गुस्से से झुंझलाकर, गुनोला ने फरसे को फिर घुमाया।

और रस्सी का एक लंबा टुकड़ा, ध्रुव के हाथ में आ गया।

गुनोला ने खुद ही ध्रुव के हाथ में एक हथियार दे दिया था।

वह समझ ही नहीं पाया, कि कब ध्रुव ने उसके हाथों को रस्सी से बांधकर, फरसा अपने हाथ में ले लिया।

हाथ बंध जाने के बाद, गुनोला के लिए, रस्से पर अपना संतुलन बनाए रखना असंभव हो गया।

ताड़

और एक हल्के से धक्के से ही, उसका शरीर अधर में झूलने लगा।

रघु के फ्लैट में तुमसे मिलने वाली चंडिका, रिप्पी ही थी। पर इस चारे ने तुमको मेरे जाल में फंसा लिया।
देखा न? मैं कितनी जोरदार स्क्रिप्ट लिखता हूं।
नहीं, तुम झूठ बोल रहे हो।
मैं तुमको अभी सबूत दिए देता हूं।
रिप्पी! चंडिका का मेकअप उतार दो।
पर तभी-
रिप्पी अपने-आप मेकअप नहीं उतार पाएगी।
तुम को जरा इस की मदद करनी पड़ेगी, डायरेक्टर।
यह... यह क्या.. क्या?..
हकलाओ मत, डायरेक्टर!
मैं असली चंडिका हूं।
'डबल रोल' का खेल खेलना, तुम्हारे अलावा और लोग भी जानते हैं।
काले! इसको गोली से उड़ा दो।
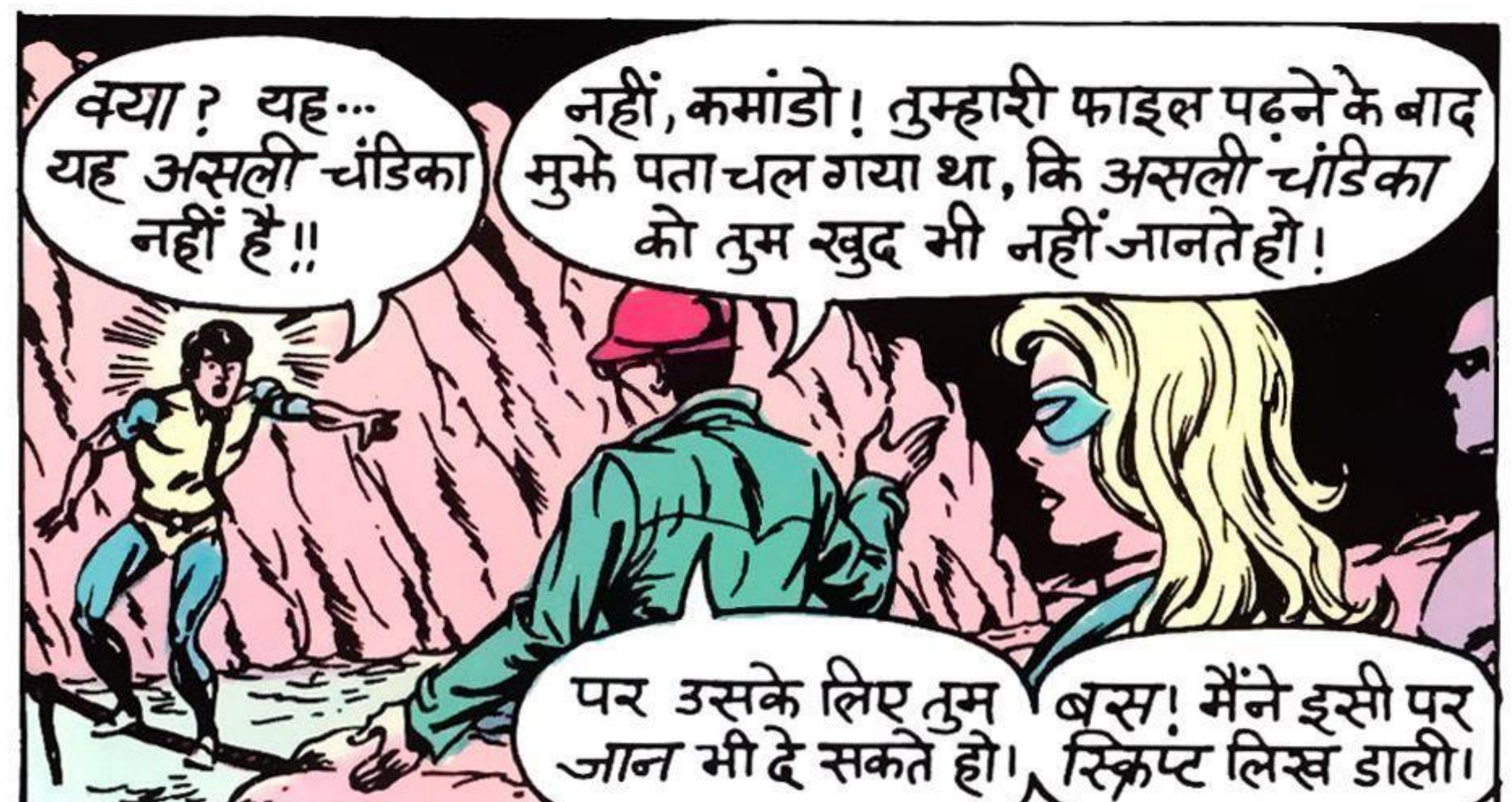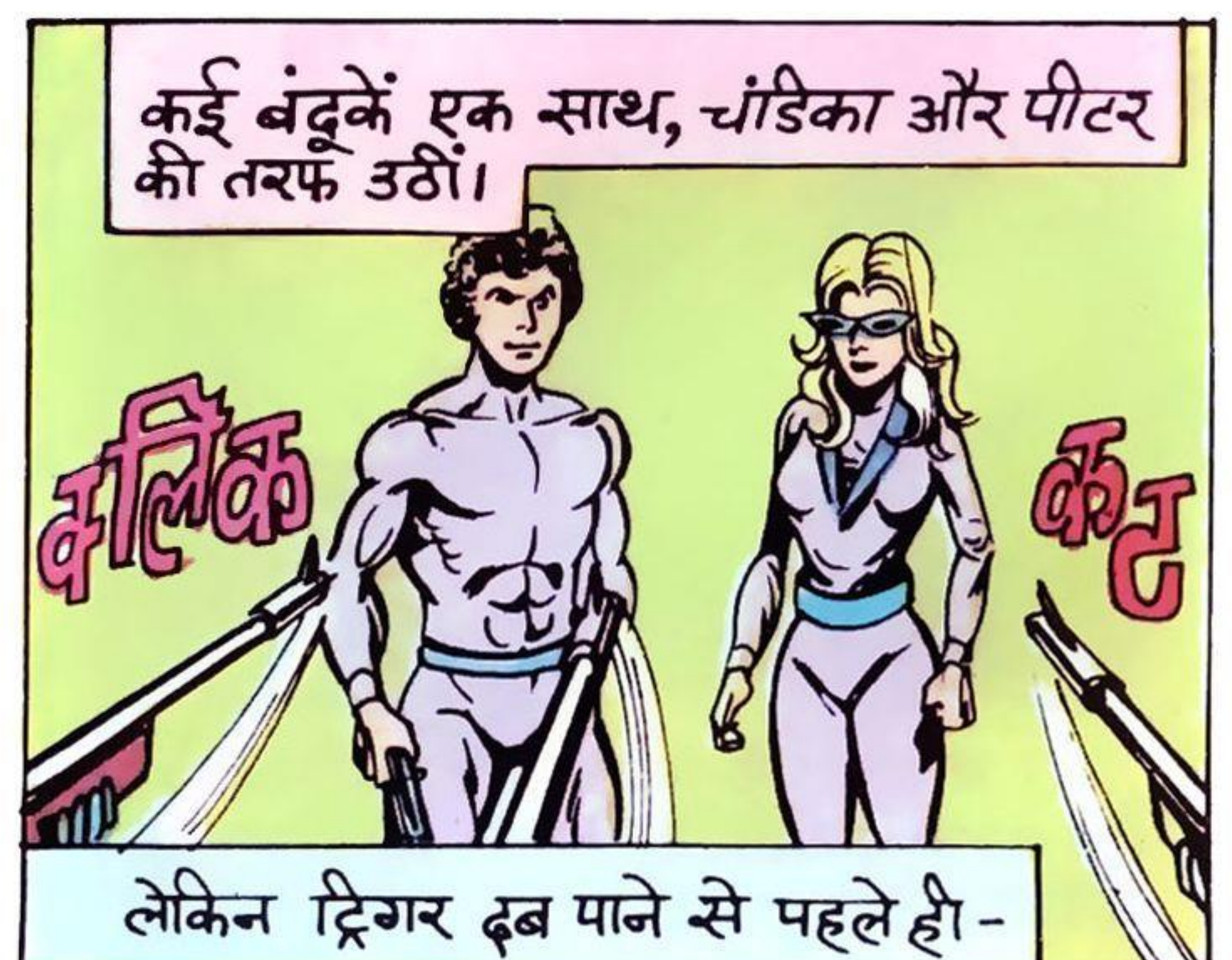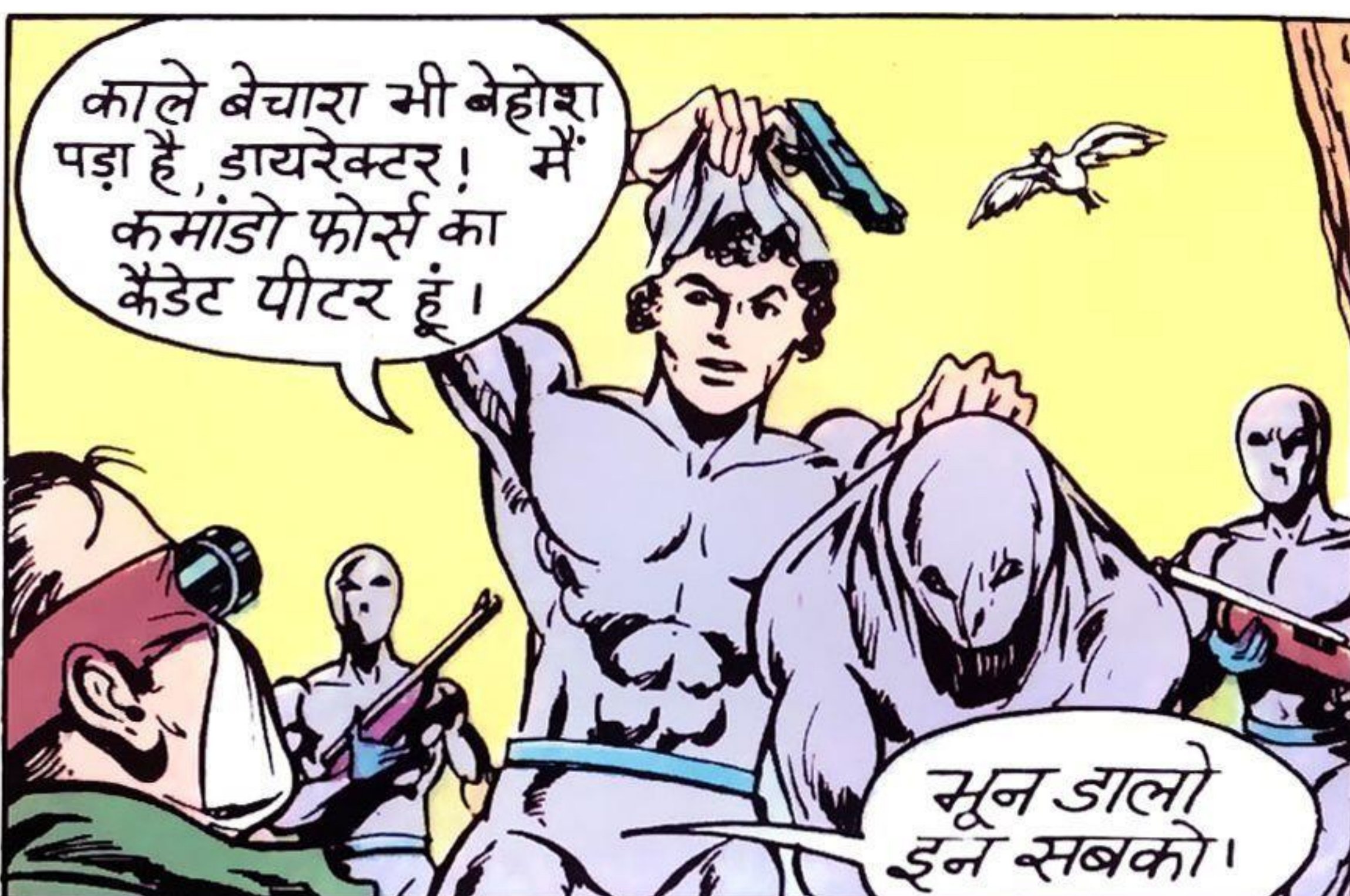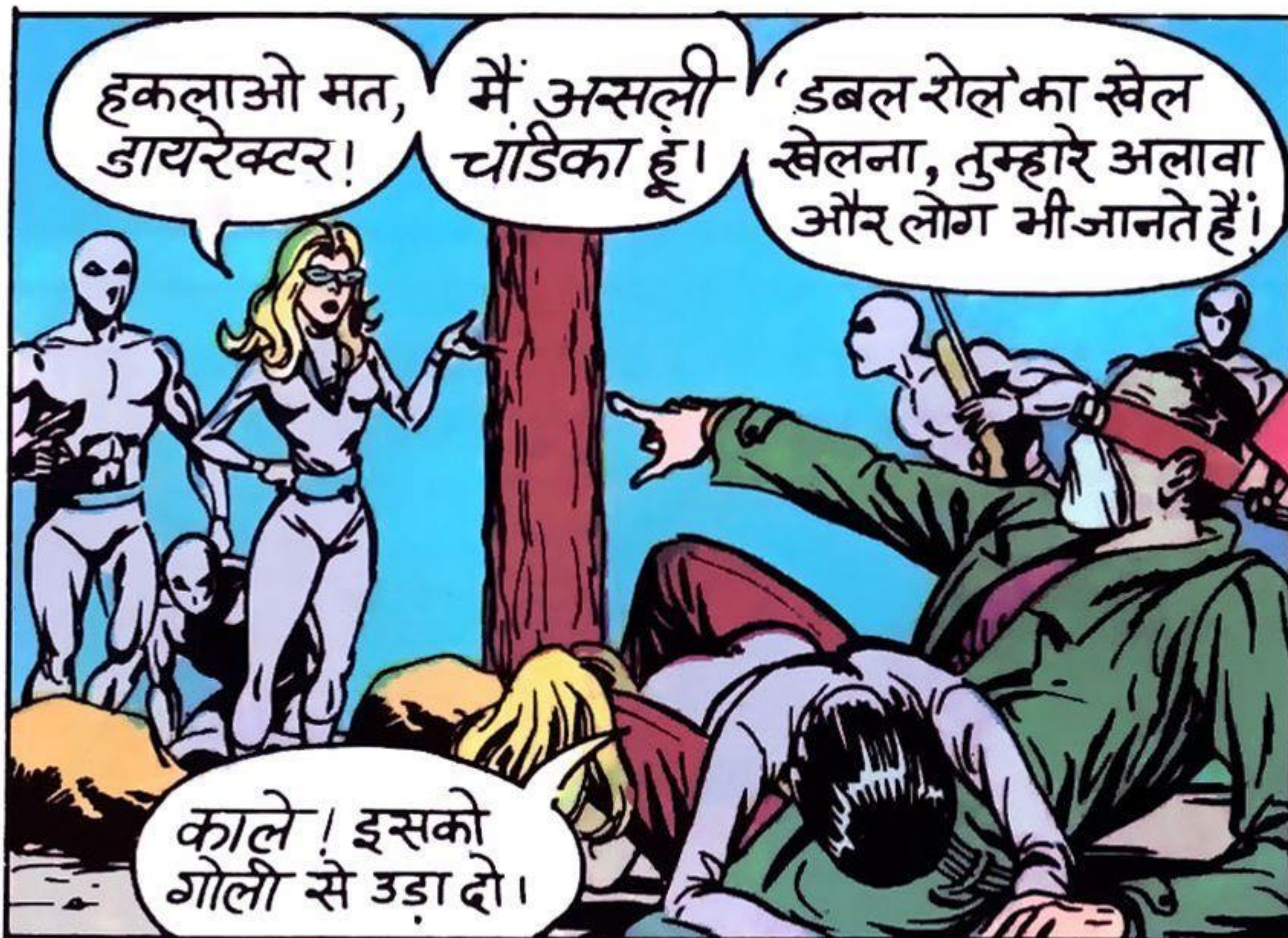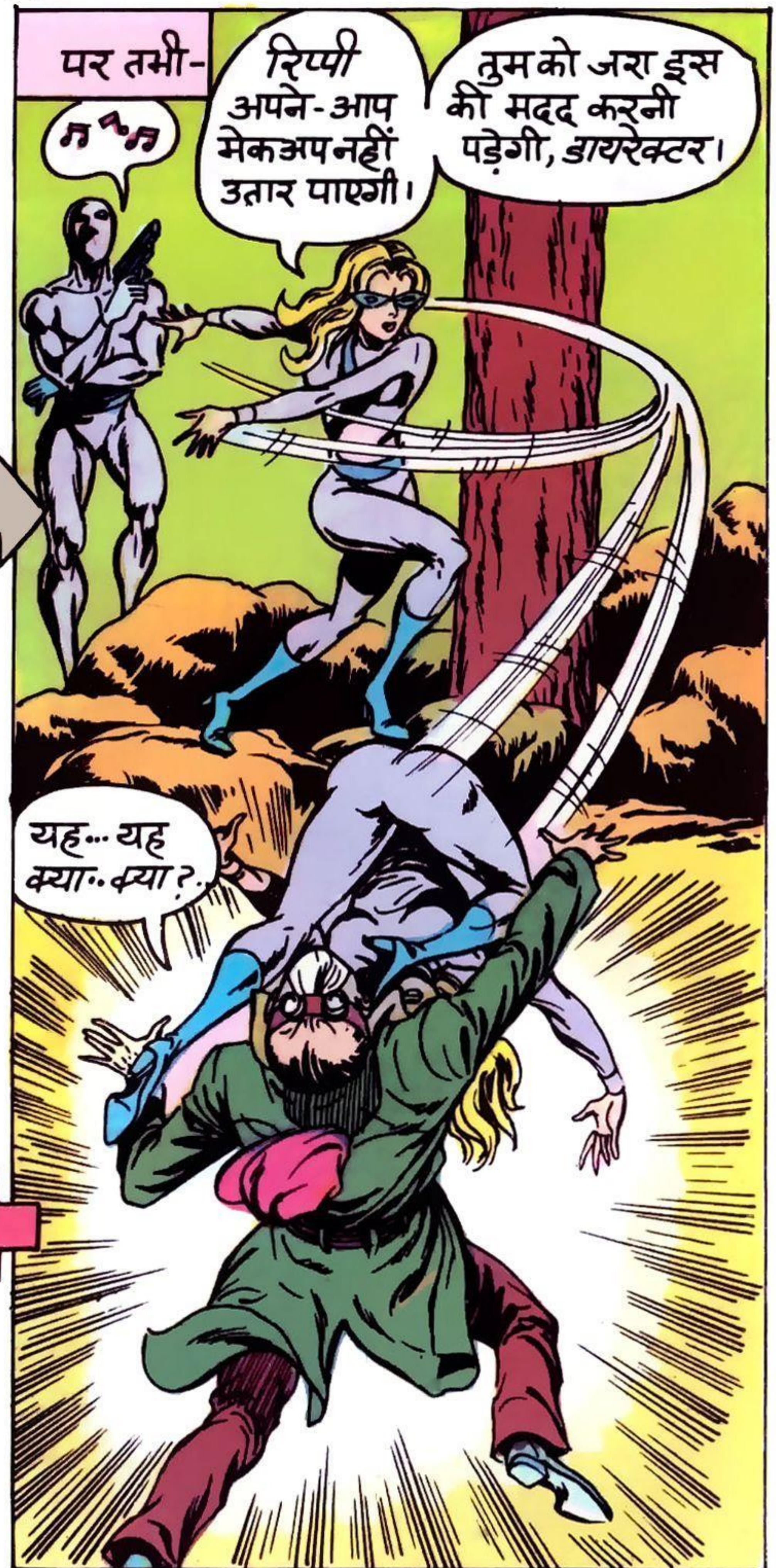
पुरा वातावरण, गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा।
तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़
नताशा के साथ आई पुलिस फोर्स ने पूरे गिरोह को घेर रखा था।
यह सब तेरा किया हुआ है। मैं तुझे जान से खत्म कर दूंगा।
गुस्से से कांप रहा डायरेक्टर, यह भूल गया था कि, ध्रुव अब तक रस्से पर ही खड़ा है ...
यह क्या हो गया?
मेरी जोरदार स्क्रिप्ट फ्लॉप कैसे हो गई?
...और वह रस्से पर नहीं चल सकता है।
एक झटके से डायरेक्टर का शरीर, सैकड़ों फीट नीचे बहते पानी की ओर गिरने लगा।
डायरेक्टर सुरेन दत्त की मौत की झूठी खबर तीन साल बाद सच हो गई थी।
ध्रुव, कैमरे की तरफ घूमा।
हिंसा के दीवाने, दर्शकों ने देख लिया होगा, कि हिंसा का आखिरकार क्या अंजाम होता है।
हिंसा, आज आपको कुछ देर की खुशी देती है। पर कल यही खुशी आप की जान की दुश्मन बन जाएगी।
कल पैसों के लालच में, डायरेक्टर जैसे और लोग भी पैदा होंगे। और इन का शिकार बनेंगे, आप और आपके घरवाले। इस हिंसा को खत्म कर दो..
..वर्ना यह तुमलोगों को खत्म कर देगी।
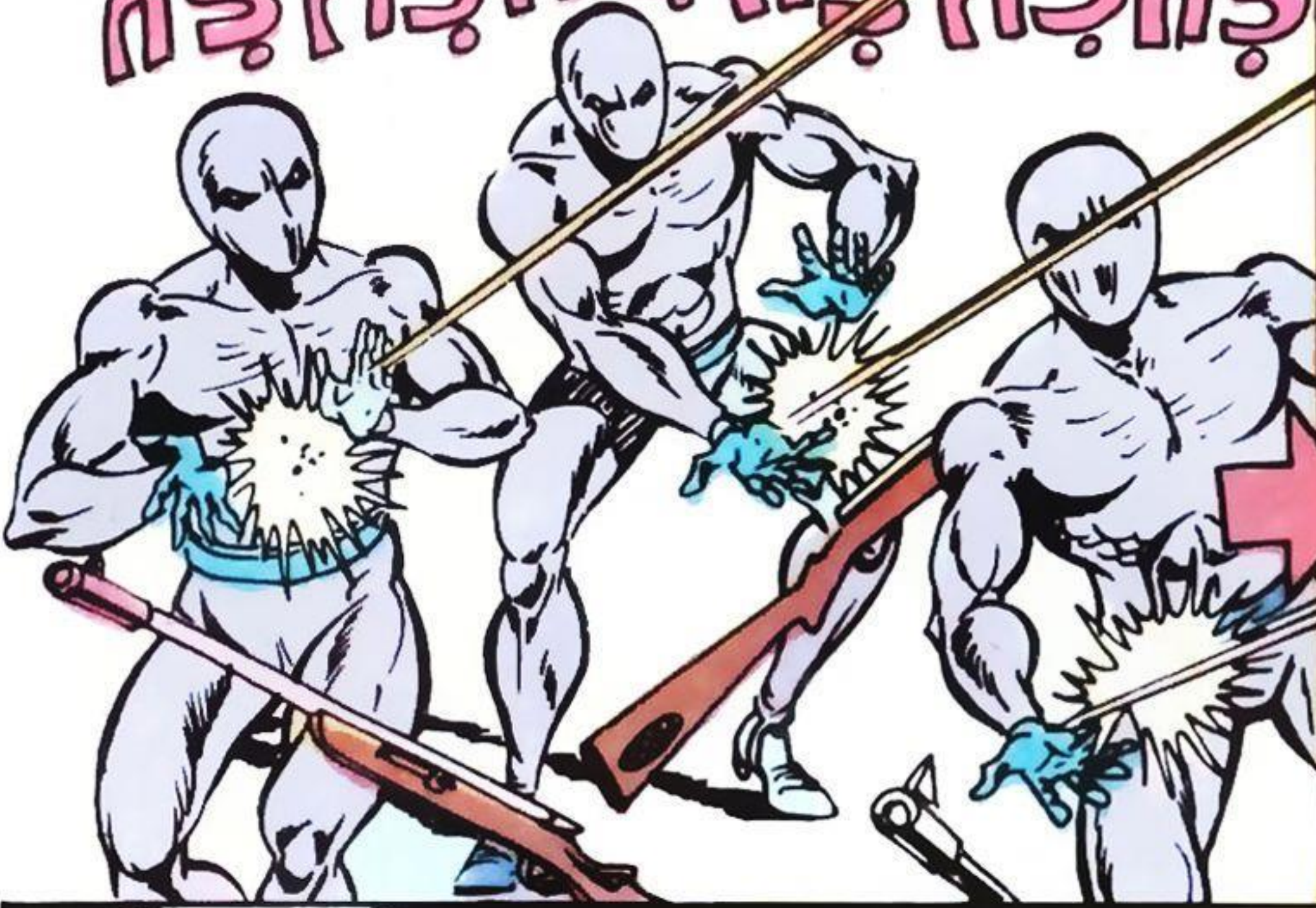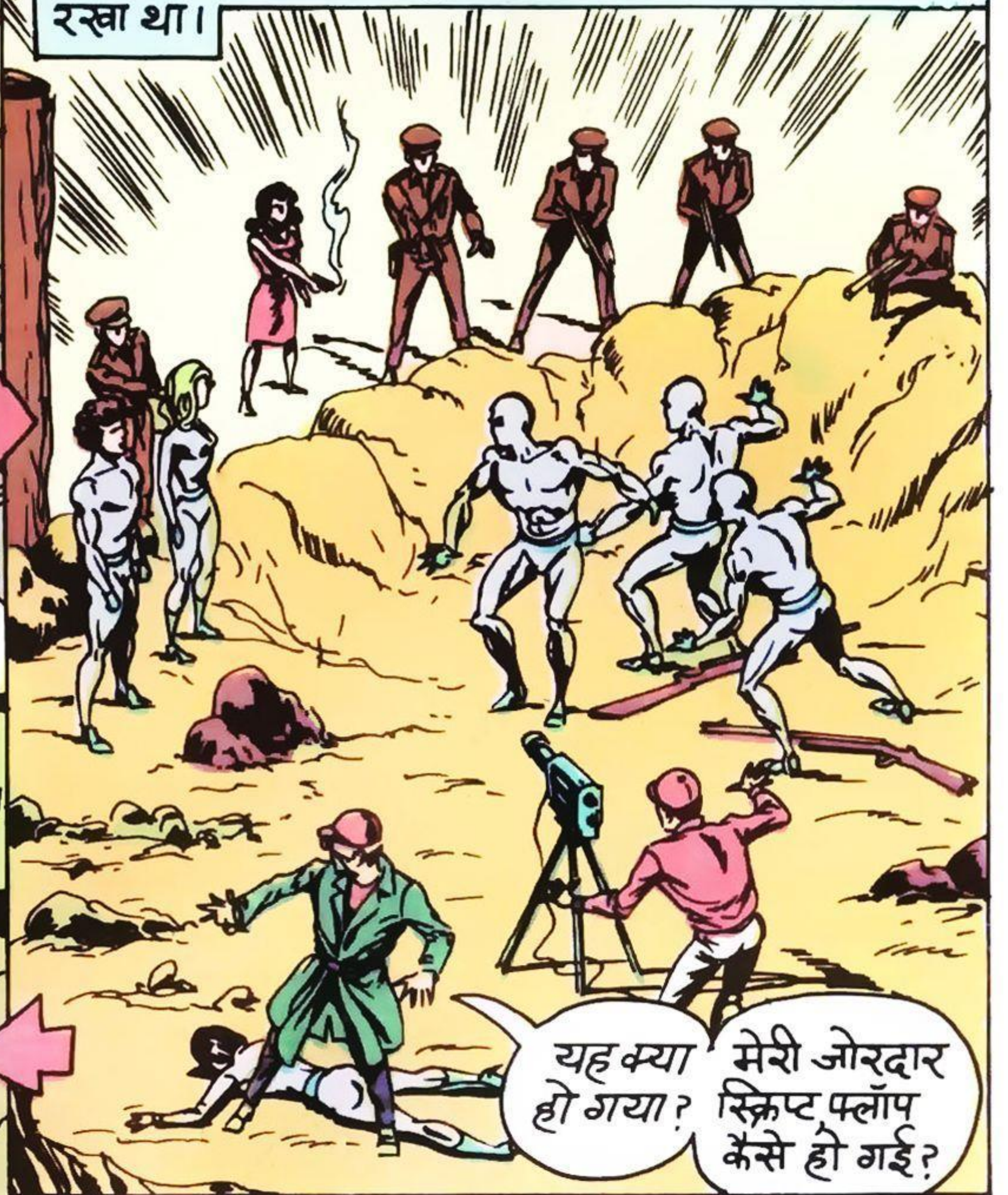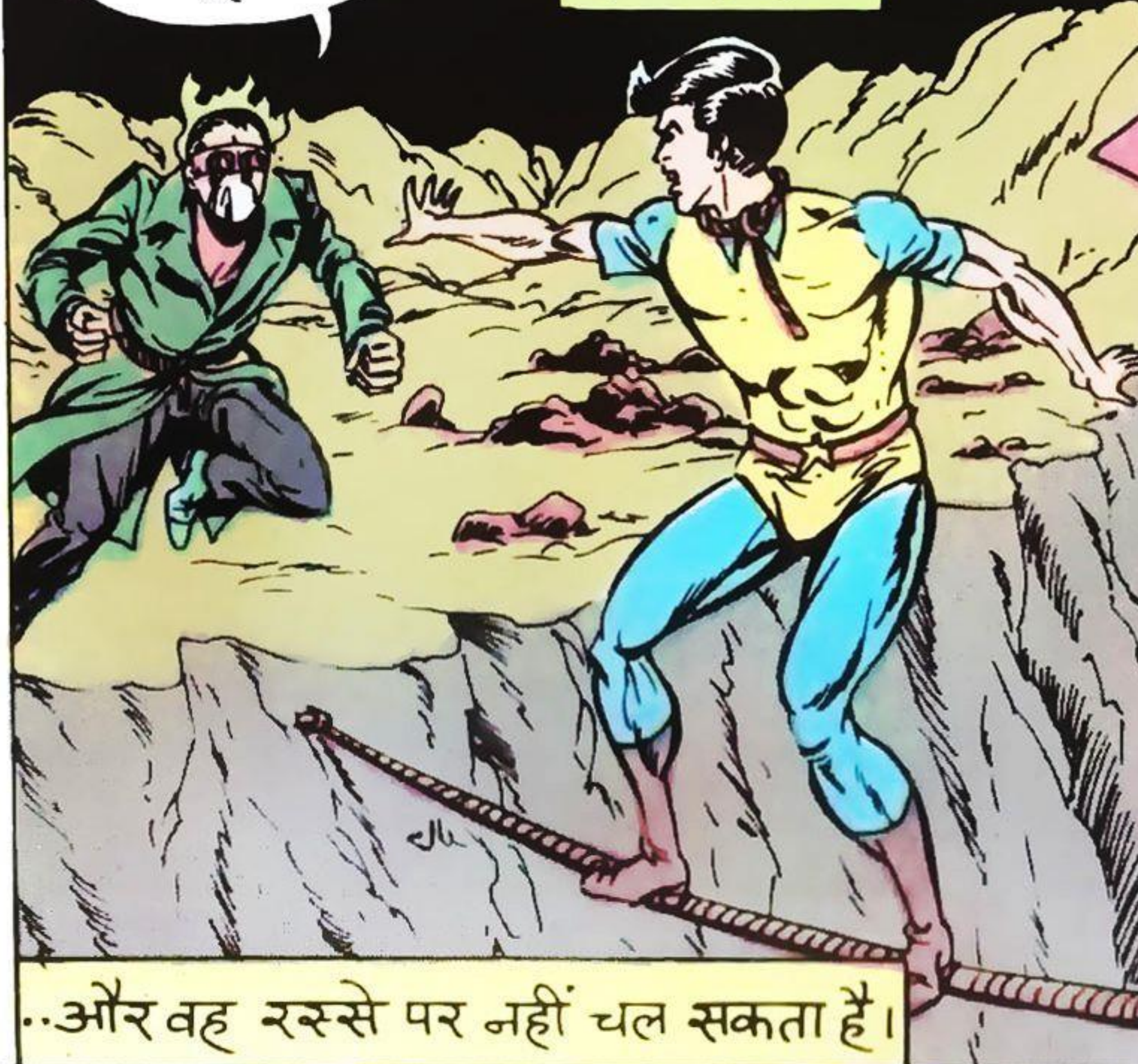
वाह! बात तो तुमने एकदम सही कही। पर इन लोगों को समझ में आए, तो कुछ बात है।
पर.. पर तुमलोग यहां तक कैसे पहुंच गए?
तुम्हारा पीछा करते- करते।
नताशा हम लोगों को यहां तक लेकर आई थी।

पर तुमलोगों की इस हरकत से चंडिका की जान खतरे में पड़ सकती थी। मान लो, अगर वह रिप्पी न होकर चंडिका होती तो?

वह असली चंडिका हो ही नहीं सकती थी, ध्रुव!
क्योंकि जिस वक्त तुम घर में मुझसे बात कर रहे थे, उस वक्त श्वेता, यानि चंडिका, गैरेज में गाड़ी पार्क कर रही थी।
?

यह बात तुम इतने विश्वास के साथ कैसे कह सकती हो, नताशा?
यह ट्रेड सीक्रेट है, ध्रुव! जर्नलिस्ट नताशा का ट्रेड सीक्रेट।
क्यों, चंडिका? है न?

यस, डियर नताशा! बिल्कुल है। अब आओ, चलें। हा हा हा हा।
हा हा हा हा! बाय, ध्रुव!
ध्रुव, खोपड़ी खुजलाने के अलावा और कुछ नहीं कर सकता था। वह धीरे-धीरे समझ रहा था...
...कि कुछ रहस्य ऐसे हैं, जिनको ध्रुव भी नहीं सुलझा सकता है।
समाप्त